दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K✌K

RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा | वर्ष-32 अंक-183 | नर्मदापुरम (होशंगाबाद) शुक्रवार 28 अगस्त 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य -1 रूपये | सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

नेपाल बाढ़ः मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 389 हुआ 1,600 अभी भी लापता, इनमें 300 भारतीय

-19 पुल बहे, जल विद्युत परियोजनाओं पर असर

काठमाण्डू, (आरएनएस)। नेपाल में आई भीषण बाढ़ से हताहतों का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। अब अधिकारियों ने बताया है कि बाढ़ में मरने वालों की संख्या 389 हो गई है। वहीं, 1,688 लोग अभी भी लापता हैं। नेपाल में 190 लोगों की मौत और 1,130 लोगों के लापता होने की खबर है, जबकि चीन के तिब्बत में 3 लोगों की मौत हो चुकी है और 558 लोग अभी भी लापता हैं। विदेश मंत्रालय ने बताया कि नेपाल में आई बाढ़ के बाद फिलहाल 288 भारतीय लापता हैं। इनमें त्रिशुली विद्युत परियोजना में कार्यरत 73 भारतीय भी शामिल हैं।लापता लोगों में तमिलनाडु के 37 और 49 लोगों के 2 समूह, पश्चिम बंगाल के 32 भारतीयों का एक समूह, केरलम के 33 लोग और विभिन्न राज्यों के 61 भारतीय शामिल हैं। विदेश मंत्रालय ने बताया कि दोपहर 1 बजे तक तमिलनाडु के 21 भारतीयों को बचा लिया गया है। सूत्रों ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि लापता हुए लगभग 100 भारतीय नागरिकों का पता लगा लिया गया है। वहीं, 25 चीनी नागरिकों को भी ढूंढ लिया गया है। हालांकि, अभी इनके बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। नेपाल के पर्यटन बोर्ड द्वारा जारी नवीनतम जानकारी के अनुसार, भारत के 178 लोगों सहित 517 विदेशी नागरिक अभी भी लापता हैं। इससे पहले नेपाल के विदेश मंत्री ने बताया था कि लगभग 300 भारतीय लापता हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने नेपाल बाढ़ को लेकर विदेश मंत्रालय के अधिकारियों और काठमांडू और बीजिंग में तैनात भारतीय राजदूतों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा, फंसे भारतीयों की सुरक्षा और उनके बारे में जानकारी जुटाने के लिए तुरंत प्रयास किए जा रहे हैं। विदेश मंत्रालय राज्य सरकारों, टूर ऑपरेटरों और संबंधित अधिकारियों के संपर्क में है। भारत नेपाल सरकार के साथ मिलकर राहत और बचाव के काम में मदद कर रहा है। बाढ़ से रसुवा और धाडिंग जिलों में सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा है।

72 घंटे में तबाही का खतरा, नेपाल बॉर्डर पर बनी झील को लेकर चीन की चेतावनी; हाई अलर्ट पर प्रशासन

बीजिंग (ए.)। नेपाल में भोटेकोसी नदी में आई अचानक बाढ़ (फ्लैश फ्लड) से मची भीषण तबाही के बाद हालात अभी भी बेहद डरावने बने हुए हैं। कुदरत का कहर अभी थमा भी नहीं है कि अब चीन ने एक और खौफनाक हाई अलर्ट जारी कर पूरे इलाके में दहशत फैला दी है। नदी में आए मलबे से एक विशालकाय झील बन गई है, जो अब मौत का सैलाब बनकर किसी भी वक्त फूट सकती है। इस चेतावनी के बाद नेपाल में खलबली मच गई है और प्रशासन के हाथ-पांव फूल गए हैं।नदियों के संगम पर बन गई 20 लाख घन मीटर की विशाल झील काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के हवाले से चीन के जल संसाधन मंत्रालय ने यह बेहद गंभीर अलर्ट जारी किया है। चीनी अधिकारियों के मुताबिक, नेपाल में छोछेन खोला और पुरेपू त्सांगपो नदियों के संगम के पास एक खतरनाक बैरियर लेक (अवरोधक झील) का निर्माण हो गया है।

हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में रक्षाबंधन से पहले खरीदारी करते हुए एक लड़की रंग-बिरंगी राखियां चुन रही है।

ऑपरेशन आघातः जशपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 520 किलो गांजा जब्त

जशपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन आघात' के तहत जशपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन अलग-अलग मामलों में कुल 520 किलोग्राम गांजा जब्त किया है। पुलिस ने इस मामले में एक महिला समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गांजा तस्करी में इस्तेमाल किए जा रहे तीन वाहनों को भी जब्त किया गया है। जब्त गांजे की अनुमानित कीमत करीब 2 करोड़ 60 लाख रुपये और वाहनों की कीमत करीब 40 लाख रुपये बताई गई है। इस तरह कुल जब्ती का मूल्य करीब तीन करोड़ रुपये है। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई थाना कुनकुरी क्षेत्र में दो और थाना नारायणपुर क्षेत्र में एक मामले में की गई।

भारत में एच1एन1 के मामले छह गुना से अधिक बढ़े, डेंगू-मलेरिया का भी बढ़ रहा प्रकोप

आईसीएमआर ने कहा-सामान्य फ्लू जैसे लक्षण

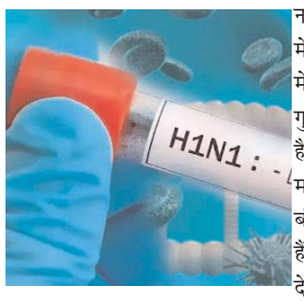

नई दिल्ली, (आरएनएस)। भारत में एच1एन1 संक्रमण के मामलों में पिछले वर्षों की तुलना में छह गुना से अधिक वृद्धि दर्ज की गई है। इसके साथ ही डेंगू और मलेरिया जैसी अन्य मौसमी बीमारियों के मामले भी बढ़ रहे हैं। संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए कई कंपनियां अपने कर्मचारियों को भीड़भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचने, जरूरत पड़ने पर मास्क पहनने और स्वास्थ्य के प्रति विशेष सावधानी बरतने की सलाह दे रही हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय देशभर में प्रयोगशालाओं के माध्यम से एच1एन1 समेत मौसमी बीमारियों की स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है। स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, फिलहाल संक्रमण के प्रसार और इसके स्वरूप की निगरानी की जा रही है, ताकि किसी भी असामान्य बढ़ोतरी का समय रहते पता लगाया जा सके।स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, वर्तमान में फैल रहा एच1एन1 का स्वरूप पिछले वर्ष की तुलना में कोई बड़ा बदलाव नहीं दिखा रहा है।

मिसाइल खतरों से निपटने के लिए अंतरिक्ष में निगरानी प्रणाली स्थापित कर रहा भारत

नईदिल्ली (आरएनएस)। मिसाइल खतरों से निपटने के लिए भारत अंतरिक्ष आधारित निगरानी प्रणालियों को स्थापित करने का काम कर रहा है। ये प्रणालियां कुछ ही सेकंड में मिसाइल दागे जाने का पता लगा लेंगी, जिससे उन्हें नष्ट करना ज्यादा तेजी से संभव हो सकेगा। इस संबंध में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने जून में वायुमंडल के बाहर और भीतर दोनों जगह से आ रही मिसाइलों को रोकने का सफलतापूर्वक परीक्षण किया था। दरअसल, फिलहाल भारत रडार आधारित प्रणाली से मिसाइलों को रोकता है। इस प्रक्रिया में मिसाइल के पथ का आकलन करने और फिर फैसला लेने के लिए सीमित समय होता है। आमतौर पर ये प्रणाली मिसाइल के अंतिम चरण के दौरान उसे निष्क्रिय कर पाती है।अंतरिक्ष आधारित प्रणाली मिसाइल दागे जाने के पहले चरण से ही काम शुरू कर देती है।

देश के कई राज्यों में भारी बारिश का अनुमान, आंधी-तूफान और बिजली गिरने की चेतावनी

नई दिल्ली, (आरएनएस)। देशभर में मानसून सक्रिय बना हुआ है। कई राज्यों में मूसलाधार बारिश हो रही है, जबकि कुछ इलाकों में अब भी अच्छी बारिश का इंतजार है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, गुरुवार को देश के कई हिस्सों में तेज से भारी बारिश होने की संभावना है और मौसम का यह असर अगले कुछ दिनों तक बना रह सकता है।

मौसम विभाग के अनुसार, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड और केरल में भारी बारिश की संभावना है। मध्य प्रदेश के ग्वालियर संभाग में भी तेज बारिश हो सकती है। वहीं, उत्तर प्रदेश के बांदा, कानपुर और झांसी समेत कई इलाकों में भारी बारिश का अनुमान है।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में गुरुवार को सामान्य रूप से बादल छाए रहने की संभावना है। दोपहर तक हल्की बारिश भी हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 33 से 35 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25 से 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।

रक्षा आधुनिकीकरण, आत्मनिर्भर भारत-सशक्त सेना और नए भारत के पराक्रम का प्रतीक : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव और रक्षा मंत्री श्री सिंह ने जबलपुर में टी-सीरीज टैंक के 472 करोड़ रूपये के ओव्हरहॉल प्रोजेक्ट का किया भूमि-पूजन

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सशक्त नेतृत्व और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के सतत प्रयासों से भारत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से बढ़ रहा है। रक्षामंत्री श्री सिंह का संकल्प वज्र के समान अडिग है। उनके नेतृत्व में भारत ने आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई कर दुनिया को नए भारत की शक्ति और पराक्रम का परिचय दिया है। रक्षामंत्री श्री सिंह केवल लक्ष्य तय नहीं करते, बल्कि उन्हें हासिल करने का विश्वास भी देते हैं। भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड के माध्यम से प्रदेश को मिली बड़ी सौगात के बाद अब जबलपुर में आरंभ हो रही "टी-सीरीज टैंक ओव्हरहॉल परियोजना" देश की रक्षा क्षमता को और मजबूती देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह परियोजना सिर्फ रक्षा आधुनिकीकरण नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत, सशक्त सेना और नए भारत के पराक्रम का प्रतीक भी है। रक्षाबंधन से एक दिन पहले आज जबलपुर की धरती से बॉर्डर की रक्षा के लिए नए प्रकल्प की शुरुआत हो रही है। आज जबलपुर को लगभग 475 करोड़ से अधिक लागत की नई परियोजना की सौगात मिली है। टी-सीरीज टैंक के ओव्हरहॉल प्रोजेक्ट के माध्यम से भारतीय सेना नए दौर में प्रवेश कर रही है। जबलपुर की आर्मर्ड फैक्ट्री ने अपने काम के बल पर देशभर में विशेष पहचान बनाई है। भविष्य में आने वाली चुनौतियों के चलते सेना को मजबूत बनाने के लिए मध्यप्रदेश स्थित अलग-अलग फैक्ट्रियों से उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं।

भारतीय तटरक्षक बल ने ओडिशा के पास डूबे मालवाहक जहाज से 2 चीनी नागरिकों को बचाया

पारादीप, (आरएनएस)। भारतीय तटरक्षक बल (आईजीसी) ने गुरुवार को ओडिशा के पारादीप बंदरगाह के पास डूबे एक मालवाहक जहाज से 2 चीनी नागरिकों को सुरक्षित बताया है। दोनों नागरिकों की पहचान पैन टोंगलाई और चेन जियानहे के रूप में हुई है। उनको आईजीसी के जहाज वरद से पारादीप लाया गया है। दोनों को आव्रजन ब्यूरो और स्थानीय पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में अधिकृत कंपनी प्रतिनिधियों को सौंप दिया गया है। बाकी लापता चालक दल के सदस्यों के लिए तलाशी अभियान जारी है।लौह अयस्क चीन ले जा रहे एमवी ओशन विनर जहाज का 20 अगस्त को पारादीप तट से लगभग 200 समुद्री मील दूर संपर्क टूट गया था।जहाज 20 अगस्त की रात पारादीप से निकला था। उसे सिंगापुर या चीन पहुंचना था। जहाज लापता होने के बाद आईजीसी और भारतीय नौसेना ने खोज और बचाव अभियान शुरू किया।पनामा ध्वज वाले जहाज पर 24 चालक दल के सदस्य सवार थे, जिसमें 20 चीनी, एक बांग्लादेशी और 3 म्यांमार नागरिक सवार थे। भारतीय तटरक्षक बल के अधिकारियों ने बताया कि अभी 2 लोगों को बचाया गया है, जबकि 22 चालक दल के सदस्यों का पता नहीं चला है। जहाज के डूबने के कारणों का भी पता नहीं चला है।

सुप्रीम कोर्ट ने दहेज और क्रूरता के मामले में 10 निर्देश जारी किए

नई दिल्ली (आरएनएस)। दहेज हत्या और महिलाओं के खिलाफ क्रूरता से जुड़े मुकदमों में देरी पर चिंता जताते हुए उच्चतम न्यायालय ने सभी अदालतों और सरकारों को 10 विशेष निर्देश जारी किए हैं। न्यायालय ने पुराने मामलों को प्राथमिकता देने, समयबद्ध तरीके से आरोप तय करने और अनावश्यक स्थगन पर रोक लगाने के साथ-साथ न्यायिक अधिकारियों, पुलिस और अभियोजन से जुड़े अधिकारियों के नियमित प्रशिक्षण पर भी जोर दिया है।

न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने 20 अगस्त को ये निर्देश जारी किए। न्यायालय उत्तर प्रदेश सरकार बनाम अजमल बेग मामले में दिसंबर 2025 में दिए गए अपने फैसले के अनुपालन की निगरानी कर रहा था। लंबे समय तक मुकदमों के लंबित रहने पर चिंता जताते हुए न्यायालय ने न्यायिक व्यवस्था में तेजी लाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम सुझाए।

मणिपुर के कांगपोकपी में बड़ा उग्रवादी हमलाः नागा समुदाय के 4 लोगों की मौत, एक लापता

इंफाल (आरएनएस)। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में गुरुवार को हथियारबंद उग्रवादियों ने घात लगाकर एक वाहन पर हमला कर दिया। इस हमले में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति के लापता होने की सूचना है। घटना के बाद इलाके में तनाव बढ़ गया है और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।अधिकारियों के अनुसार, हमला मकुई अशांग और थाबम्बा नागा के बीच एक सुनसान इलाके में हुआ। उग्रवादियों ने वहां से गुजर रहे एक वाहन को निशाना बनाया। हमले में मारे गए सभी चार लोग लियांगमई नागा समुदाय से संबंधित बताए जा रहे हैं। उनकी मौके पर ही मौत हो गई।घटना के विरोध में नागा पीपल्स ऑर्गनाइजेशन ने सेनापति जिला मुख्यालय में दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को बंद करा दिया। हत्या के बाद क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। स्थानीय स्तर पर घटना को लेकर आक्रोश है और किसी भी अप्रिय स्थिति को रोकने के लिए सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ाई गई है। यह हमला ऐसे समय हुआ है जब मणिपुर सरकार जातीय हिंसा से प्रभावित राज्य में शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने के प्रयास कर रही है।

मतदान केंद्र अधिकारियों के सुझावों पर चुनाव आयोग करेगा कार्रवाई : ज्ञानेश कुमार

चेन्नई (आरएनएस)। भारत निर्वाचन आयोग मतदान केंद्र स्तर के अधिकारियों के सुझावों और विचारों को गंभीरता से सुनेगा तथा इनके आधार पर लोकतांत्रिक व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाएगा। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने गुरुवार, 27 अगस्त को चेन्नई में तमिलनाडु के मतदान केंद्र अधिकारियों के साथ आयोजित परामर्श बैठक में यह बात कही।

रक्षाबंधन शुभकामनाएं

हमारे सभी सुधि पाठकों को रक्षा का प्रतीक रक्षाबंधन त्यौहार की हार्दिक हार्दिक शुभकामनाएं।

-सम्पादक

अवकाश की सूचना

दैनिक क्षितिज किरण के कार्यालय में 28 अगस्त 2026 को रक्षाबंधन के अवसर पर अवकाश रहेगा अतः अगला अंक दिनांक 30 अगस्त 2026 को प्रकाशित होगा।

प्रबंधक

K & K

राजधानी समाचार

शुक्रवार 28 अगस्त 2026, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) दैनिक क्षितिज किरण 2

भारत की सनातन ज्ञान परंपरा, आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक एकात्मता का केंद्र बनेगा तीर्थ नगरी ओंकारेश्वर का एकात्म धाम : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सिंहस्थ-2028 से पहले निकाली जाएगी भव्य एकात्म यात्रा, जिसका सिंहस्थ के दौरान होगा समापन

पूज्य संतों के कर-कमलों से हुआ मंदिर निर्माण का पावन शुभारंभ

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार सुबह पवित्र तीर्थ नगरी ओंकारेश्वर स्थित एकात्म धाम में भव्य पंचायतन मंदिर का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारत की दिव्य संन्यास परंपरा के प्रतिनिधियों, षड्दर्शन संत मंडल के पूज्य संतों एवं विशिष्ट अतिथियों के साथ 45 पवित्र शिलाओं का पूजन कर मंदिर निर्माण का शुभारंभ किया। श्री वेंकटेश्वर वेद विज्ञान पीठम् धर्मगिरि, आंध्रप्रदेश के प्राचार्य के.एस.एस. अवधानी, दक्षिणाम्नाय श्री शारदा पीठम् कर्नाटक और श्री श्री गुरुकुल के आचार्यों द्वारा वैदिक अनुष्ठान संपन्न कराया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एकात्म धाम केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारत की सनातन ज्ञान परंपरा, आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक एकात्मता का केंद्र बनेगा। जगद्गुरु आदि शंकराचार्य ने विभिन्न उपासना पद्धतियों के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए पंचायतन पूजन की परंपरा को पुन: प्रतिष्ठित किया था। पंचायतन मंदिर इसी महान परंपरा को आगे बढ़ाने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि हमने भगवान को प्रत्यक्ष नहीं देखा, लेकिन संतों के आशीर्वाद से परमात्मा का नाम और उनकी अनुभूति हमारे जीवन में उजागर होती है। पूज्य संतों के आशीर्वाद से ओंकारेश्वर में ऐसा दिव्य धाम आकार ले रहा है, जो आने वाली पीढ़ियों को भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिकता और चरित्र निर्माण की प्रेरणा देगा।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में विश्व भारत के वैभव और शक्ति को पहचान रहा है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विश्व भारत के वैभव और शक्ति को पहचान रहा है। राज्य सरकार प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश के धार्मिक एवं आध्यात्मिक स्थलों के विकास और उन्हें विश्वस्तरीय सुविधाओं से जोड़ने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा शुरू किए गए एकात्म धाम और मंदिर निर्माण के कार्य को हमारी सरकार आगे बढ़ा रही है। आज समाज के अंदर कई प्रकार के अंतर्विरोध और आसुरी शक्तियां विद्यमान हैं, जो कई प्रकार से हमारे मार्ग में अवरोध पैदा कर रही हैं। आदि गुरु शंकराचार्य और मां नर्मदा की कृपा से यह सारी शक्तियां पराजित होंगी। संतों के आशीर्वाद से मनुष्य का हर संकल्प पूर्ण होता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव पंचायतन मंदिर के शिलान्यास कार्यक्रम में पत्नी श्रीमती सीमा यादव के साथ शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मांधाता पर्वत पर विकसित हो रहा एकात्म धाम आने वाले समय में अत्यंत अलौकिक और दिव्य दृश्य प्रस्तुत करेगा। हम सभी परमात्मा की लीला के साक्षी हैं। उन्होंने कहा कि हम इस यात्रा के पथिक हैं और सौभाग्य की बात है कि हमें ऐसे दिव्य धाम के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का अवसर मिल रहा है। यह स्थान आंतरिक चेतना के जागरण और आत्मिक शांति का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि संतों के आशीर्वाद से रक्षाबंधन के पावन अवसर पर यह शुभ कार्य हो रहा है। एकात्म धाम में निर्मित होने वाली आध्यात्मिक संरचनाएं समाज में समरसता, सद्भाव, संस्कार और चरित्र निर्माण की भावना को मजबूत करेंगी।

मंत्री विजय शाह पर कार्रवाई की मांग, कांग्रेस के पूर्व सैनिक विभाग ने कहा- सेना के सम्मान से समझौता स्वीकार नहीं

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश कांग्रेस के पूर्व सैनिक विभाग ने मंत्री कुंवर विजय शाह की कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी की निंदा करते हुए उनके खिलाफ कानून के अनुरूप कड़ी कार्रवाई की मांग की है। विभाग ने केंद्र और राज्य सरकार से मंत्री को पद से हटाने की भी मांग की है।पूर्व सैनिक विभाग ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना की ओर से की गई कार्रवाई 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान कर्नल सोफिया कुरैशी ने सेना की ओर से देशवासियों को सैन्य कार्रवाई से जुड़ी जानकारी दी थी। विभाग का आरोप है कि 13 मई 2025 को महू के मानपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में विजय शाह ने कर्नल कुरैशी को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी।

कांग्रेस के पूर्व सैनिक विभाग ने कहा कि टिप्पणी के बाद मामले ने तूल पकड़ा और मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने इसका स्वत: संज्ञान लेते हुए एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए। विभाग के मुताबिक, इसके बाद मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा, जहां भी जांच और आवश्यक कार्रवाई को लेकर निर्देश दिए गए। विभाग ने आरोप लगाया कि इसके बावजूद विजय शाह को मंत्रिमंडल में बनाए रखने का निर्णय उचित नहीं है। कांग्रेस ने मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच कर कानून के तहत आवश्यक कार्रवाई की जाए।

'सेना किसी दल की नहीं, देश की है'

पूर्व सैनिक विभाग ने कहा कि भारतीय सेना किसी राजनीतिक दल की नहीं, बल्कि पूरे देश की सेना है। सेना के किसी जवान या अधिकारी के प्रति अपमानजनक टिप्पणी सैनिकों के त्याग और राष्ट्र की गरिमा से जुड़ा गंभीर विषय है। राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन सेना और उसके अधिकारियों के सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए।विभाग ने केंद्र और राज्य सरकार से मांग की कि मामले में निष्पक्ष कार्रवाई करते हुए यह स्पष्ट संदेश दिया जाए कि सेना के सम्मान से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जा सकता। कांग्रेस के पूर्व सैनिक विभाग ने चेतावनी दी कि यदि मामले में शीघ्र उचित कार्रवाई नहीं की गई तो पूर्व सैनिक लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन करेंगे। विभाग ने भारतीय सेना के जवानों और अधिकारियों के शौर्य, त्याग और राष्ट्रसेवा के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए सेना की गरिमा की रक्षा के लिए आवाज उठाने की बात कही।

बैंकों में 5 डे वीक वर्किंग...भोपाल में प्रदर्शन: अरेरा हिल्स में जुटेंगे बैंककर्मी; यूनियन पदाधिकारी बोले, आगे हड़ताल करेंगे

भोपाल (आरएनएस)। बैंकों में पांच दिवसीय सप्ताह वर्किंग की मांग को लेकर पूरे मध्य प्रदेश में बैंककर्मी आंदोलन कर रहे हैं। गुरुवार शाम वे फिर से सड़क पर उतरेंगे और प्रदर्शन करेंगे। अरेरा हिल्स एरिया में बैंककर्मी जुटेंगे।

यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के आह्वान पर यह देशव्यापी आंदोलन हैं। यूनियंस के को-ऑर्डिनेटर वीके शर्मा ने बताया कि पांच दिवसीय बैंक सप्ताह लागू करो, एकतरफा और भेदभावपूर्ण पीएलआई योजना वापस लो- इसके क्रियान्वयन को स्थगित करो और यूनियनों के साथ द्विपक्षीय वार्ता के माध्यम से योजना में संशोधन करो, लंबित मुद्दों का समाधान करो आदि मांगों को लेकर आगामी महीनों में कई राष्ट्रव्यापी हड़तालों के साथ अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा की गई है। इन हड़तालों के पूर्व जारी आंदोलनात्मक कार्यक्रमों के तहत गुरुवार की शाम को राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन का आह्वान किया है। इसी तारतम्य में फोरम की स्थानीय जिला इकाई शाम को सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया जोनल ऑफिस अरेरा हिल्स जेल रोड भोपाल के सामने प्रदर्शन करेगी।

काम बढ़ा, लेकिन व्यवस्था नहीं की

यूनियंस पदाधिकारियों का कहना है कि पहले बैंक सोमवार से शुक्रवार तक पूरे दिन और प्रत्येक शनिवार को आधे दिन काम करते थे। वर्ष 2015 में सरकार और इंडियन बैंक्स एसोसिएशन के बीच सहमति बनी। जिसके अनुसार दूसरे और चौथे शनिवार को अवकाश घोषित किया गया और शेष शनिवारों को पूर्ण कार्य दिवस बनाया गया।यह निर्णय इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए लिया गया था कि डिजिटल बैंकिंग के बढ़ने से बैंक शाखाओं में ग्राहकों की संख्या कम हुई है। साथ ही यह भी सहमति बनी थी कि शेष शनिवारों को भी अवकाश घोषित करने के विषय पर उचित समय पर विचार किया जाएगा।मार्च 2024 में वेतन संशोधन समझौते के दौरान इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (IBA) ने सहमति दी कि ग्राहकों के लिए बैंकिंग व्यवसाय के समय में प्रतिदिन 40 मिनट की वृद्धि की जाएगी और इसके बदले शेष शनिवारों को बैंक अवकाश घोषित किया जाएगा। इस प्रकार ग्राहकों के लिए कुल बैंकिंग व्यवसाय के घंटों में कोई कमी नहीं होने की व्यवस्था की गई।

स्वस्थ बहन और स्वस्थ बेटी ही सशक्त परिवार एवं स्वस्थ समाज की आधारशिला : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

भोपाल (आरएनएस)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने रक्षाबंधन के पावन पर्व पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के स्नेह, विश्वास और आत्मीयता का पर्व है। यह पर्व परिवार और समाज में प्रेम, सम्मान, संवेदनशीलता और परस्पर सहयोग की भावना को मजबूत करता है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि बहनों और बेटियों का स्वस्थ, सुरक्षित और सशक्त होना परिवार और समाज की खुशहाली के लिए आवश्यक है। रक्षाबंधन के अवसर पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि महिलाओं और बालिकाओं के स्वास्थ्य, पोषण और सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में महिलाओं और बालिकाओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ, समय पर उपचार, पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। स्वस्थ बहन और स्वस्थ बेटी ही सशक्त परिवार एवं स्वस्थ समाज की आधारशिला है। रक्षाबंधन का यह पर्व भाई-बहन के रिश्ते को और मजबूत करने के साथ महिलाओं और बालिकाओं के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के प्रति हमारी जिम्मेदारी को भी याद दिलाए। उन्होंने प्रदेशवासियों से रक्षाबंधन का पर्व आपसी प्रेम, सौहार्द और उल्लास के साथ मनाने का आह्वान करते हुए सभी के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना की है।

दिव्यांगजनों की सेवा परमात्मा की सच्ची सेवा : संभाग आयुक्त श्री शर्मा

दिव्यांगजनों को शासकीय योजनाओं का दिलाएं शत- प्रतिशत लाभ विशिष्ट पहचान पत्र और पेंशन के लंबित प्रकरणों का प्रमुखता से करें निराकरण सामाजिक न्याय एवं दिव्यांग जन सशक्तिकरण विभाग की संभागीय समीक्षा बैठक ली

भोपाल (ए.)। संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने कहा है कि दिव्यांगजनों की सेवा परमात्मा की सच्ची सेवा है। दिव्यांगजनों को उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप सभी शासकीय योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ दिलाएं। उन्हें स्वरोजगार योजनाओं से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाएं साथ ही समाज में विशिष्ट स्थान दिलाएं। संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने गुरुवार को आयुक्त कार्यालय सभाकक्ष में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की समीक्षा बैठक ली और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में संयुक्त आयुक्त राजस्व डॉ. विनोद यादव, संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय विभाग श्री रामविलास सेमिल सहित संभाग के सभी जिलों के अधिकारी उपस्थित रहे।श्री शर्मा ने अधिकारियों को विभागीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मैदानी अमले के कार्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाए। सभी अधिकारी विभाग द्वारा संचालित वृद्धाश्रमों का नियमित रूप से निरीक्षण करें। विभाग की सभी पेंशन योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ हितग्राहियों को दिलवाने के लिए उनके खातों का केवायसी सुनिश्चित किया जाए। बैठक में संभाग आयुक्त श्री शर्मा ने राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम अंतर्गत वृद्धावस्था पेंशन एवं दिव्यांग पेंशन हितग्राहियों के डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट पंजीयन की प्रगति की समीक्षा की और इस कार्य को प्राथमिकता के साथ किए जाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही uidai एवं मेडिकल सर्टिफिकेट के लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। संभागायुक्त श्री शर्मा ने मुख्यमंत्री कल्याणी विवाह सहायता योजना एवं दिव्यांग विवाह प्रोत्साहन योजना का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए, ताकि अधिक से अधिक पात्र हितग्राही इन योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें।

भोपाल में तलवार लहराकर जन्मदिन का केक काटा

खुद को बीजेपी कार्यकर्ता बताता है आरोपी, वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

भोपाल (आरएनएस)। कोलार रोड इलाके में जन्मदिन मनाने के दौरान तलवार लहराकर केक काटना युवक को भारी पड़ गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने युवक के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। कोलार रोड पुलिस के मुताबिक आरोपी की पहचान विशाल पाठक पिता राजेश पाठक निवासी सर्वधर्म सी सेक्टर कोलार रोड के रूप में हुई है। उसने 21 अगस्त को किड्स कैंपस स्कूल के पास अपना जन्मदिन मनाया था। इसी दौरान तलवार लहराते हुए केक काटा और इसका वीडियो इंस्टाग्राम पर अपलोड कर दिया। पुलिस ने वायरल वीडियो की जांच की। अधिकारियों के मुताबिक सार्वजनिक स्थान पर तलवार लहराने की इस हरकत से लोगों में भय का माहौल बन सकता था। इसके बाद आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के साथ आर्म्स एक्ट की धारा 25 और 27 में प्रकरण दर्ज किया गया।

पुलिस अब वायरल वीडियो के आधार पर तलवार के संबंध में जानकारी जुटा रही है। आरोपी की सोशल मीडिया प्रोफाइल पर वह खुद को बीजेपी कार्यकर्ता बताता है। पुलिस वीडियो में नजर आ रहे अन्य लोगों और घटनास्थल को लेकर भी जांच कर रही है।

पीसी शर्मा को दुपट्टे का टुकड़ा फाड़कर महिला ने बांधी राखी, पूर्व मंत्री ने बहनों को बांटी शक्कर

भोपाल, (आरएनएस)। रक्षाबंधन के पर्व पर मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में कांग्रेस का महंगाई के खिलाफ विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। रक्षा बंधन पर शक्कर की कमी और दाम बढ़ने के कारण कांग्रेस इसे राजनीतिक मुद्दा बनाकर बहनों से राखी बंधवाकर उन्हें शक्कर भेंट कर रही है। पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस नेता पीसी शर्मा ने गुरुवार को 1100 क्वार्टर स्थित अपने आवास पर महिलाओं से रक्षासूत्र बंधवाया और उन्हें शक्कर भेंट की। इसी दौरान बाणगंगा क्षेत्र से पहुंची एक महिला ने अपने दुपट्टे का कोना फाड़कर उसका रक्षासूत्र बनाया और पीसी शर्मा की कलाई पर बांध दिया।

महिला ने राखी बांधते हुए बताया कि बारिश के कारण उसके घर का पूरा सामान बह गया। आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण वह राखी नहीं खरीद सकी। उसे जानकारी मिली कि पीसी शर्मा रक्षाबंधन पर महिलाओं से राखी बंधवा रहे हैं, इसलिए वह बारिश के बीच यहां पहुंची। उसने दुपट्टे का एक हिस्सा फाड़कर उसे राखी के रूप में पीसी शर्मा की कलाई पर बांधा और कहा कि वह भाई के रूप में उसकी रक्षा करें। इस दौरान महिला भावुक हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने उसे संभाला। घटना ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों का ध्यान खींचा।

यह शक्कर की नहीं, महंगाई के दर्द की राजनीति

पीसी शर्मा ने कहा कि यह शक्कर की राजनीति नहीं, बल्कि महंगाई के दर्द को सामने लाने का प्रयास है। उन्होंने दावा किया कि शक्कर के दाम बढ़ने से रक्षाबंधन जैसे त्योहार पर भी आम परिवारों का बजट प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि पहले बहनें राखी पर घर में मिठाई और पकवान बनाती थीं, लेकिन महंगाई के कारण अब कई परिवारों के लिए यह मुश्किल हो गया है।

उन्होंने भाजपा नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्ता में बैठे लोगों को आम परिवारों की आर्थिक परेशानियों का अंदाजा नहीं है। कैलाश विजयवर्गीय के शक्कर के दामों को लेकर दिए गए बयान का जिक्र करते हुए शर्मा ने कहा कि सरकार को महंगाई से राहत देने के प्रयास करने चाहिए, न कि बढ़ती कीमतों को लेकर ऐसे बयान देने चाहिए। पीसी शर्मा ने कहा कि रक्षाबंधन पर महिलाओं को गुलाब का फूल और शक्कर भेंट की गई है, ताकि वे घर जाकर त्योहार के पकवान बना सकें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस महंगाई के मुद्दे पर सरकार के खिलाफ लगातार आवाज उठाती रहेगी।

कोलार में प्याज की माला पहनकर प्रदर्शन

इधर, भोपाल के कोलार क्षेत्र में भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और नेताओं ने गले में प्याज की मालाएं पहनकर विरोध जताया। प्रदर्शन के दौरान लोगों को शक्कर खिलाकर बढ़ती महंगाई पर तंज भी कसा गया। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि महंगाई का सीधा असर आम लोगों की रसोई के बजट पर पड़ रहा है। सब्जियों और रोजमर्रा की जरूरतों की बढ़ती कीमतों से परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर नियंत्रण और आम लोगों को राहत देने की मांग की। प्रदर्शन में कांग्रेस शहर अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना, प्रदेश प्रवक्ता अभिनव बरोलिया, महिला कांग्रेस नेत्री महक राणा समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

तेंदुओं के अवैध शिकार और अंगों की तस्करी मामले में एक और आरोपी मुरैना से गिरफ्तार

अब तक 3 राज्यों से 15 आरोपी गिरफ्तार

भोपाल (आरएनएस)।मध्यप्रदेश में अंतर्राज्यीय शिकार एवं तस्करी गिरोहों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान में स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स (एसटीएसएफ) ने 10 तेंदुओं के अवैध शिकार एवं तस्करी के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पूर्व में गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ एवं उनके बयानों के आधार पर एसटीएसएफ ने 26 अगस्त 2026 को मुरैना निवासी सुखदेव, पिता सर्वेश को गिरफ्तार किया। आरोपी को विशेष न्यायालय, शिवपुरी में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।यह प्रकरण मध्यप्रदेश शासन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि गिरोह द्वारा श्योपुर और मुरैना जिलों में 10 तेंदुओं का शिकार किए जाने के साक्ष्य मिले हैं। ये क्षेत्र अत्यंत संवेदनशील 'चीता लैंडस्केप' के अंतर्गत आते हैं। मामले में आगे की विवेचना जारी है।

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2026 के लिए मध्यप्रदेश के दो व्यावसायिक प्रशिक्षण अधिकारियों का चयन

मंत्री श्री टेटवाल ने प्रशिक्षण अधिकारियों को दी बधाई राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू 5 सितंबर को करेंगी पुरस्कृत

भोपाल, (आरएनएस)। कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम टेटवाल ने राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2026 के लिए मध्यप्रदेश के दो व्यावसायिक प्रशिक्षण अधिकारियों के चयन पर उन्हें बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण व्यावसायिक प्रशिक्षण और कौशल विकास के क्षेत्र में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों की राष्ट्रीय स्तर पर पहचान है। दोनों प्रशिक्षण अधिकारियों का चयन प्रदेश के लिए गौरव का विषय है और इससे कौशल विकास तंत्र से जुड़े प्रशिक्षकों एवं प्रशिक्षणार्थियों को प्रेरणा मिलेगी।भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय द्वारा व्यावसायिक प्रशिक्षण एवं उद्यमिता विकास में उत्कृष्टता श्रेणी में देशभर से चयनित प्रशिक्षण अधिकारियों की सूची में मध्यप्रदेश के दो अधिकारियों को स्थान मिला है। प्रदेश से श्रीमती रीना गुप्ता, शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), उज्जैन तथा श्रीमती ज्योतिबाला राठौर, राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान (महिला), इंदौर ,का चयन राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2026 के लिए किया गया है। भारत सरकार द्वारा जारी सूची में दोनों अधिकारियों को मध्यप्रदेश के प्रतिनिधि के रूप में शामिल किया गया है। श्रीमती रीना गुप्ता का चयन दिव्यांग प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान करने के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए किया गया है। उन्होंने दिव्यांग प्रशिक्षणार्थियों को गुणवत्तापूर्ण व्यावसायिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वहीं श्रीमती ज्योतिबाला राठौर का चयन व्यावसायिक प्रशिक्षण एवं उद्यमिता विकास के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए किया गया है। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2026 का सम्मान समारोह 5 सितंबर 2026 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा चयनित प्रशिक्षण अधिकारियों को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। पुरस्कार के अंतर्गत प्रशस्ति प्रमाण-पत्र, 50 हजार रुपये की नगद राशि एवं पदक प्रदान किया जाएगा। मध्यप्रदेश के दोनों प्रशिक्षण अधिकारियों का राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2026 के लिए चयन प्रदेश में व्यावसायिक प्रशिक्षण, कौशल विकास एवं उद्यमिता विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों को मिली महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पहचान है।

राखी के धागों से जुड़ा सीआरपीएफ जवानों और बेटियों का भावनात्मक रिश्ता

केन्द्रीय रिजर्व बल के प्रशिक्षण केन्द्र में मना रक्षाबंधन पर्व

ग्वालियर (ए.)। रक्षाबंधन का पर्व उस समय भावनाओं से सराबोर हो गया, जब केंद्रीय विद्यालय ग्वालियर की छात्राओं एवं शिक्षिकाओं ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के केन्द्रीय प्रशिक्षण केन्द्र में पहुंचकर अधिकारियों एवं जवानों की कलाई पर स्नेह और विश्वास की राखी बांधी। देश की सुरक्षा में अपने परिवार से दूर रहने वाले जवानों के लिए यह आयोजन अपनत्व और पारिवारिक भावनाओं से जोड़ने वाला विशेष अवसर बन गया। इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक अनिल कुमार सिंह ने कहा कि रक्षाबंधन के पर्व पर सीआरपीएफ के जवान देश की आंतरिक सुरक्षा के दायित्व के कारण अक्सर अपने परिवार से दूर रहते हैं। ऐसे में केंद्रीय विद्यालय की बेटियों का यहां आकर जवानों को राखी बांधना उनके लिए अपने परिवार और बहनों की कमी को कुछ हद तक दूर करने वाला भावनात्मक क्षण है। उन्होंने कहा कि राखी का यह पवित्र धागा केवल एक पर्व की परंपरा नहीं, बल्कि विश्वास, स्नेह और सुरक्षा के संकल्प का प्रतीक है। केंद्रीय विद्यालय की छात्राओं एवं शिक्षिकाओं ने रोली-चंदन के टीके लगाकर सीआरपीएफ के अधिकारियों और जवानों को राखी बांधकर भाई-बहन के पवित्र रिश्ते की भावनाओं को साकार किया। राखी बंधवाने के बाद जवानों ने भी छात्राओं की सुरक्षा एवं सदैव उनके साथ खड़े रहने का संकल्प व्यक्त किया। इस अवसर पर अधिकारियों एवं जवानों ने छात्राओं और शिक्षिकाओं को उपहार भेंट कर उनके प्रति अपना स्नेह व्यक्त किया। साथ ही सभी छात्राओं का मुँह मीठा भी कराया। कार्यक्रम ने रक्षाबंधन के पर्व को भाई-बहन के रिश्ते के साथ-साथ समाज और राष्ट्र की सुरक्षा में जुटे जवानों तथा नई पीढ़ी के बीच स्नेह, विश्वास और आत्मीयता के मजबूत बंधन के रूप में यादगार बना दिया। कार्यक्रम में महानिरीक्षक अनिल कुमार सिंह एवं उप कमांडेंट श्रमन चतुर्वेदी, उप कमांडेंट ऋषि कुमार, सहायक कमांडेंट सर्बजीत सिंह सहित सीआरपीएफ के अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे।

खाद्य विभाग ने मुलताई और आठनेर के खाद्य प्रतिष्ठानों का किया निरीक्षण

बैतूल (ए.)। आगामी त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर डॉ सौरभ संजय सोनवणे के निर्देशानुसार 26 अगस्त को खाद्य एवं औषधि प्रशासन के जांच दलों द्वारा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान खाद्य कारोबारी को राज्य शासन द्वारा एनालॉग डेयरी प्रोडक्ट्स को प्रतिबंधित किए जाने के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही खाद्य प्रतिष्ठानों में स्वच्छता रखने के निर्देश दिए गए।

दल द्वारा मुलताई शहरी क्षेत्र में खाद्य प्रतिष्ठान बीकानेर मिष्ठान भंडार तासी कुंड, गुरु कृपा बीकानेर स्वीट्स, तासी बीकानेर स्वीट्स जय स्तंभ चौक, श्याम डेयरी स्टेट बैंक के पास, हरियाणा जलेबी, दादाजी नष्टा प्वाइंट, विधता होटल एवं ओमकार स्वीट्स बस स्टैंड की जांच की। इस दौरान मिल्क केक, मलाई बर्फी कलाकंद बर्फी, अंजीर बर्फी, मोतीचूर लड्डू ,बेसन लड्डू, नमकीन, खट्टा मीठा नमकीन, सेव के 16 नमूने जांच हेतु लिए गए। इसी प्रकार दल द्वारा आठनेर शहरी क्षेत्र अंतर्गत आराधना नस्ता प्वाइंट सातनेर, अभिनंदन स्वीट्स, बीकानेर स्वीट्स आठनेर से मावा बर्फी, सादा पेड़ा, लौग सेव, शकरपारा इस प्रकार कुल 09 नमूने जांच हेतु लिए। सभी नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भोपाल भेजे जा रहे हैं। लिए गए नमूनो की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर विधिवत कार्यवाही की जाएगी।

मोबाइल की जिद में बेटे ने 30 फीट ऊंचे पुल से नदी में लगाई छलांग, बचाने कूदा पिता; दोनों सुरक्षित

दमोह, (आरएनएस.)। मध्य प्रदेश के दमोह जिले में मोबाइल फोन दिलाने की जिद को लेकर एक युवक ने सुनार नदी पर बने करीब 30 फीट ऊंचे पुल से छलांग लगा दी। बेटे को नदी में कूदते देख पिता भी उसे बचाने के लिए पानी में उतर गए। दोनों को डूबता देख आसपास मौजूद लोगों ने नाव की मदद से नदी में पहुंचकर पिता-पुत्र को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। घटना गुरुवार सुबह देहात थाना क्षेत्र के नरसिंहगढ़ की है। जानकारी के अनुसार, द्वारिका यादव के सामने उनके बेटे अंकित यादव ने गुरूवार सुबह करीब 11 बजे पुल से नदी में छलांग लगाई। बेटे को कूदता देख द्वारिका ने भी बिना देर किए नदी में छलांग लगा दी। उन्हें तैरना आता था। उन्होंने पानी में अंकित को पकड़ लिया और दोनों नदी में संघर्ष करते हुए पुल के पिलर के समीप पहुंच गए।इसी दौरान पुल के आसपास मौजूद लोगों की नजर पिता-पुत्र पर पड़ी। लोगों ने तत्काल नाव की मदद से नदी में पहुंचकर दोनों को बाहर निकाला।

दतिया में 48 घंटे से मूसलाधार बारिश, कई कॉलोनियों में घुसा पानी; गांवों का संपर्क टूटा

दतिया, (ए.)। मध्य प्रदेश के दतिया में पिछले 48 घंटे से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। गुरुवार को शहर की कई कॉलोनियों में बारिश का पानी घरों और गलियों में भर गया है। जलभराव से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कुछ परिवारों को अपने घर छोड़कर किराए के मकानों में रहने के लिए मजबूर होना पड़ा है। मौसम विभाग की ओर से आगामी दिनों में भी बारिश का अलर्ट जारी किए जाने से लोगों की चिंता बढ़ गई है। शहरवासियों का आरोप है कि कई स्थानों पर जल निकासी के प्राकृतिक रास्तों पर अतिक्रमण और निर्माण होने के कारण पानी की निकासी बाधित हो गई है। लोगों का कहना है कि हर वर्ष बारिश के दौरान इन क्षेत्रों में जलभराव होता है, लेकिन कई शिकायतों के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया।

लगातार बारिश के कारण असनई तालाब की पुलिया पर भी पानी भर गया। स्थिति को देखते हुए मौके पर पहुंचे प्रशासनिक अधिकारियों ने सुरक्षा की दृष्टि से पुलिया से आवागमन पूरी तरह बंद करा दिया है। प्रशासन ने लोगों से वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करने की अपील की है।क्षतिग्रस्त पुलिया पर पानी का बहाव, कई गांवों का संपर्क टूटाबारिश का असर ग्रामीण क्षेत्रों में भी दिखाई दे रहा है। सिंधवारी गांव की पहले से क्षतिग्रस्त पुलिया के ऊपर पानी बहने से करीब एक दर्जन गांवों का दतिया से संपर्क टूट गया है। सिंधवारी, चिरौली, रांव, सुकैटा, देवपुरा, रजौरा, नयागांव, गदारी और कुरैठा सहित आसपास के गांवों के लोगों का आवागमन प्रभावित हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिया लंबे समय से क्षतिग्रस्त है और समय रहते इसकी मरम्मत नहीं कराई गई।

रक्षाबंधन पर पुलिस का अनोखा उपहार, 15.60 लाख के 130 गुम मोबाइल मालिकों को लौटाए

अशोकनगर(ए.)। रक्षाबंधन के अवसर पर मध्य प्रदेश के अशोकनगर पुलिस ने जिलेवासियों को खास सौगात दी। पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार मिश्रा की पहल पर साइबर सेल और जिले के विभिन्न थानों की संयुक्त टीम ने तकनीकी जांच के जरिए नागरिकों के गुम हुए 130 मोबाइल फोन बरामद किए। बरामद मोबाइलों की कुल अनुमानित कीमत 15 लाख 60 हजार रुपये बताई गई है। गुरुवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में एसपी राजीव कुमार मिश्रा ने बरामद मोबाइल उनके वास्तविक मालिकों को सौंपे। लंबे समय बाद अपना खोया मोबाइल वापस पाकर लोगों के चेहरे पर खुशी दिखाई दी। पुलिस की इस कार्रवाई को नागरिकों ने रक्षाबंधन के अवसर पर मिला अनोखा उपहार बताया।

मध्य प्रदेश के साथ दूसरे राज्यों से भी बरामद हुए मोबाइल

पुलिस के अनुसार मोबाइल फोन की तलाश के लिए साइबर सेल और थाना स्तर की टीमों ने तकनीकी संसाधनों का उपयोग किया। जांच के दौरान अशोकनगर के अलावा मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों तथा अन्य राज्यों से भी गुम हुए मोबाइलों को ट्रैक कर बरामद किया गया।

व्यापार समाचार

सोना बढ़त के साथ खुला, चांदी का दाम 2.40 लाख के पार

मुंबई (ए)। सोने और चांदी की शुरुआत गुरुवार को तेजी के साथ हुई। हालांकि, दोनों कीमती धातुओं का दाम एक सीमित दायरे में बना हुआ है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अक्टूबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,59,663 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले 836 रुपए की तेजी के साथ 1,60,499 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला।यह सुबह 9ः45 पर 468 रुपए या 0.29 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,60,131 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। शुरुआती कारोबार में सोने ने 1,59,954 रुपए प्रति 10 ग्राम का न्यूनतम स्तर और 1,60,898 रुपए प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ था।चांदी में भी खरीदारी देखी जा रही है। चांदी का 4 सितंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोंजिग 2,39,638 रुपए प्रति किलो के मुकाबले 3,361 रुपए की मजबूती के साथ 2,42,999 रुपए प्रति किलो पर खुला। शुरुआती कारोबार में इसमें मुनाफावसूली देखने को मिली। खबर लिखे जाने तक यह 923 रुपए या 0.39 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,40,561 रुपए प्रति किलो पर था। अब तक कारोबार में सोने ने 2,40,429 रुपए प्रति किलो का न्यूनतम स्तर और 2,42,999 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर छुआ था।जानकारों के मुताबिक, अमेरिका में महंगाई लगातार फेड के लक्ष्य 2 प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है। इससे फेड की ओर से ब्याज दर बढ़ने की संभावना बनी हुई है। वहीं, बॉन्ड यील्ड कम हैं, जिससे सोने एक सीमित दायरे में बना रह सकता है।अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने और चांदी में तेजी देखी जा रही है। सोना 0.52 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,678 डॉलर प्रति औंस और चांदी 1.41 प्रतिशत की मजबूती के साथ 68.98 डॉलर प्रति औंस पर था।

सोने और चांदी का प्रदर्शन बीते एक महीने में काफी अच्छा रहा है। इस दौरान सोने ने डॉलर में करीब 15 प्रतिशत और चांदी ने 17.5 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। वहीं, बीते एक साल में सोने ने 36 प्रतिशत से अधिक और चांदी ने 76 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न दिया है।

शेयर बाजार मजबूत वैश्विक संकेतों से हरे निशान में खुला, बैंकिंग स्टॉक्स में खरीदारी

मुंबई (ए)। मजबूत वैश्विक संकेतों से भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को हरे निशान में खुला। सेंसेक्स 103.82 अंक या 0.13 प्रतिशत की मजबूती के साथ 77,576.76 और निफ्टी 69.85 अंक या 0.29 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,277.60 पर था।

शुरुआती कारोबार में बाजार की तेजी को सहारा बैंकिंग स्टॉक्स ने दिया। सूचकांकों में निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी मेटल टॉप गेनर्स थे।

इसके अलावा, निफ्टी इन्फ्रा, निफ्टी एनर्जी,निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी पीएसई, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी कमोडिटीज के साथ करीब सभी सूचकांक हरे निशान में थे।

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी के साथ कारोबार हो रहा था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 265.50 अंक या 0.41 प्रतिशत की तेजी के साथ 64,335.20 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 61.65 अंक या 0.31 प्रतिशत की बढ़त के साथ 20,123.05 पर था।

सेंसेक्स पैक में बजाज फाइनेंस, कोटक महिंद्रा बैंक, टेक महिंद्रा, बजाज फिनसर्व, आईसीआईसीआई बैंक, सन फार्मा, बीईएल, एशियन पेंट्स, ट्रेंट, इन्फोसिस, ट्रेंट , टीसीएस, एमएंडएम और एलएंडटी गेनर्स थे। एचडीएफसी बैंक, पावर ग्रिड, एनटीपीसी, एचयूएल, एसबीआई, एचसीएल टेक, भारती एयरटेल और अल्ट्राटेक सीमेंट लूजर्स थे।

जानकारों के मुताबिक, भू-राजनीतिक तनाव का असर बाजार पर बना हुआ है। अमेरिका-ईरान तनाव के अलावा, रूस-यूक्रेन संघर्ष के फिर से बढ़ने की खबरें भी आ रही हैं। गेहूं की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं और इसका असर महंगाई और आगे चलकर ब्याज दरों पर पड़ेगा।

बच्चों की सुरक्षा से जुड़े आरोपों के निपटारे के लिए मेटा 16.68 अरब डॉलर तक का करेगी भुगतान, फेसबुक और इंस्टाग्राम में होंगे बड़े बदलाव

नई दिल्ली (आरएनएस)। सोशल मीडिया क्षेत्र की दिग्गज कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स ने अमेरिका के कई राज्यों द्वारा दायर उस बड़े मामले के निपटारे पर सहमति जताई है, जिसमें आरोप लगाया गया था कि फेसबुक और इंस्टाग्राम को बच्चों और किशोरों के लिए लत लगाने वाला बनाया गया, प्लेटफॉर्म की सुरक्षा को लेकर उपयोगकर्ताओं को गुमराह किया गया और नाबालिगों का व्यक्तिगत डेटा अनुचित तरीके से एकत्र किया गया। अदालती दस्तावेजों के अनुसार, इस समझौते के तहत मेटा 16.68 अरब डॉलर तक का भुगतान करेगी। यह समझौता कैलिफोर्निया की एक संघीय अदालत में चल रहे मुकदमे के दौरान हुआ, जिसमें 29 अमेरिकी राज्यों ने मेटा के खिलाफ दावे किए थे। इस समझौते के साथ बच्चों और किशोरों पर सोशल मीडिया के प्रभाव से जुड़े सबसे चर्चित कानूनी मामलों में से एक का अंत हो गया है।समझौते के तहत मेटा अमेरिका में फेसबुक और इंस्टाग्राम का उपयोग करने वाले किशोरों के लिए कई नए सुरक्षा उपाय लागू करेगी, जिनमें दैनिक उपयोग समय की सीमा निर्धारित करना और रात के समय प्लेटफॉर्म तक पहुंच पर प्रतिबंध जैसी व्यवस्थाएं शामिल हैं।हालांकि मेटा ने समझौते के बावजूद किसी भी प्रकार की गलती या कानूनी जिम्मेदारी स्वीकार करने से इनकार किया है।समझौते की खबर सामने आने के बाद निवेशकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिली और बाजार खुलने से पहले के कारोबार में मेटा के शेयर लगभग 4.4 प्रतिशत तक चढ़ गए। मामले में आरोप लगाया गया था कि

मेटा ने कैलिफोर्निया, कोलोराडो, केंटकी और न्यू जर्सी के उपभोक्ता संरक्षण कानूनों का उल्लंघन किया। राज्यों का यह भी दावा था कि कंपनी ने बाल ऑनलाइन गोपनीयता संरक्षण अधिनियम का उल्लंघन करते हुए ऐसे उपयोगकर्ताओं की व्यक्तिगत जानकारी एकत्र की, जिनके बारे में उसे पता था कि वे बच्चे हैं, लेकिन इस संबंध में अभिभावकों को न तो पर्याप्त सूचना दी गई और न ही उनकी अनुमति ली गई।

मुकदमे में यह आरोप भी शामिल था कि कंपनी ने बच्चों के डेटा का उपयोग मशीन लर्निंग और जनरेटिव एआई मॉडल को प्रशिक्षित करने के लिए किया।मेटा ने पूरे मामले के दौरान इन आरोपों से इनकार किया और कहा कि उसने अपने मंचों पर युवा उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा के लिए व्यापक कदम उठाए हैं। कंपनी का यह भी तर्क था कि वह अपने मंचों को लत लगाने वाला बताकर उपभोक्ताओं को गुमराह नहीं कर सकती, क्योंकि सोशल मीडिया की लत को औपचारिक रूप से मनोरोग संबंधी स्थिति के रूप में मान्यता नहीं दी गई है। मुकदमे की सुनवाई शुरू होने से पहले मेटा ने कहा था कि कुछ राज्य उस पर 1.4 ट्रिलियन डॉलर तक के दंड की मांग कर रहे हैं, हालांकि राज्यों ने बाद में संकेत दिया था कि वास्तविक राशि लगभग 200 अरब डॉलर के करीब हो सकती है। इसके अलावा, राज्य सरकारें अतिरिक्त मुआवजे और ऐसे न्यायिक आदेश भी चाहती थीं,

जिनसे मेटा को अपने मंचों में बड़े बदलाव करने पड़ते और संभवत: बच्चों के लिए खाते बनाना भी कठिन हो सकता था।यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब दुनिया भर में बच्चों और किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य पर सोशल मीडिया के प्रभाव को लेकर बहस तेज है। मेटा के अलावा स्नैप, अल्फाबेट (यूट्यूब की मूल कंपनी) और बाइटडांस (टिकटॉक की मूल कंपनी) भी हजारों मुकदमों का सामना कर रही हैं। इन मामलों में आरोप लगाया गया है कि इन प्लेटफॉर्म्स को जानबूझकर ऐसे फीचर्स के साथ तैयार किया गया, जो बच्चों और किशोरों को लंबे समय तक स्क्रीन पर बनाए रखने और अत्यधिक उपयोग के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

सितंबर में अमेरिका दौरे पर जा सकते हैं पीयूष गोयल, जी-20 बैठक के दौरान अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर से हो सकती है अहम वार्ता

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल सितंबर के अंत में अमेरिका की यात्रा पर जा सकते हैं। प्रस्तावित दौरे का मुख्य उद्देश्य जी-20 व्यापार मंत्रियों की बैठक में भाग लेना है,

लेकिन यह यात्रा भारत और अमेरिका के बीच चल रही द्विपक्षीय व्यापार वार्ताओं के संदर्भ में भी काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

एनडीटीवी प्रॉफिट की रिपोर्ट के अनुसार, प्रस्तावित यात्रा के दौरान पीयूष गोयल की मुलाकात अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीर से भी हो सकती है। यह बैठक जी-20 व्यापार मंत्रियों की बैठक के इतर होने की संभावना है। माना जा रहा है कि दोनों पक्ष इस अवसर का उपयोग व्यापार समझौते से जुड़े लंबित मुद्दों की समीक्षा और समाधान के लिए कर सकते हैं। भारत और अमेरिका पिछले कुछ समय से व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर बातचीत कर रहे हैं। दोनों देशों का लक्ष्य बाजार पहुंच बढ़ाना, व्यापारिक बाधाओं को कम करना और आर्थिक संबंधों को और मजबूत बनाना है। वर्तमान में वार्ता एक महत्वपूर्ण चरण में प्रवेश कर चुकी है और ऐसे में मंत्री स्तर की बातचीत आगे की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा सकती है।चर्चाओं के दौरान कई महत्वपूर्ण विषयों पर विचार किया गया है, जिनमें शुल्क दरें, वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार में बाजार पहुंच तथा विभिन्न व्यापारिक बाधाएं शामिल हैं। दोनों देश ऐसी व्यवस्था की तलाश में हैं जो उनके-अपने आर्थिक और व्यापारिक हितों को संतुलित तरीके से आगे बढ़ा सके।

क्या बंद होगा E20 पेट्रोल? BPCL ने साफ की स्थिति, पुरानी गाड़ियों के लिए E10 फ्यूल पर सरकार का बड़ा प्लान

नई दिल्ली (आरएनएस),। देशभर में इन दिनों पेट्रोल में इथेनॉल की मिलावट (E20 और E10) को लेकर वाहन मालिकों के बीच भारी भ्रम की स्थिति बनी हुई है। चर्चा थी कि सरकार E20 पेट्रोल को बंद करके वापस E10 पेट्रोल ला सकती है। अब इस पूरी बहस पर देश की दूसरी सबसे बड़ी खुदरा ईंधन विक्रेता कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (BPCL) ने स्थिति बिल्कुल साफ कर दी है। कंपनी के इस खुलासे ने उन करोड़ों वाहन मालिकों को बड़ी जानकारी दी है, जो अपनी पुरानी गाड़ियों की माइलेज और इंजन की लाइफ को लेकर चिंतित थे।

क्या E20 पेट्रोल की जगह लेगा E10?

बीपीसीएल (BPCL) के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर संजय खन्ना ने हाल ही में कंपनी की वार्षिक शेयरहोल्डर बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में इस मुद्दे पर खुलकर बात की। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि बाजार से E20 पेट्रोल को हटाकर उसकी जगह E10 लाने का फिलहाल कोई भी फैसला नहीं हुआ है। यानी देश भर के पेट्रोल पंपों पर E20 पेट्रोल की बिक्री पहले की तरह ही सुचारू रूप से जारी रहेगी। खन्ना ने साफ किया कि अभी तक इस मामले में सरकार या तेल कंपनियों की तरफ से अंतिम रूप से कुछ भी तय नहीं किया गया है।

पुरानी गाड़ियों के लिए सरकार कर रही यह खास विचार

हालांकि, कंपनी ने यह जरूर माना है कि पुरानी गाड़ियों के मालिकों को राहत देने के लिए एक अहम चर्चा चल रही है। कुछ मंचों पर इस बात पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है कि क्या पुरानी गाड़ियों के लिए कम इथेनॉल मिश्रण वाले पेट्रोल (E10) को एक 'अतिरिक्त विकल्प' के तौर पर पेट्रोल पंपों पर उपलब्ध कराया जा सकता है। असल में, कई पुराने वाहनों के इंजन E20 पेट्रोल के अनुकूल नहीं हैं, जिसके चलते यह बहस छिड़ी है। बड़ा सवाल यह है कि अगर E10 को एक अलग ग्रेड के रूप में उतारा जाता है, तो देश के इतने बड़े फ्यूल डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क में इसकी आपूर्ति को कैसे मैनेज किया जाएगा।

अगर E10 लागू हुआ तो तेल कंपनियों का क्या होगा?

इस सवाल पर कि अगर सरकार भविष्य में अपनी इथेनॉल मिश्रण नीति में बदलाव कर E20 से वापस श्व10 पर जाने का फैसला करती है, तो क्या तेल कंपनियों को भारी परेशानी होगी? इस पर बीपीसीएल चेयरमैन ने आश्वस्त किया कि तेल कंपनियों के लिए इसमें कोई बड़ी लॉजिस्टिक या परिचालन संबंधी चुनौती नहीं होगी।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

सीमा पर शांति का सर्वोच्च महत्त्व

उन कदमों पर विचार अनिवार्य है, जिनसे दुस्साहसी कार्रवाइयों को चीन के लिए महंगा बनाया जाए। ऐसा तभी हो सकता है, जब भारत के पास राष्ट्रीय सहमति से तैयार समग्र चीन नीति हो।भारत- चीन संबंध में फिर पेच पड़े हैं। विदेश मंत्रालय ने यह स्पष्ट कर उचित कदम उठाया है कि द्विपक्षीय संबंधों के विकास के लिए सीमा पर शांति का सर्वोच्च महत्त्व है। बेशक, उस हाल में संबंध आगे बढ़ते नहीं रह सकते, जब सीमा पर अतिक्रमण या घुसपैठ की खबरें लगातार आ रही हों। हाल में कुछ ऐसे रील्स वायरल हुए, जिनमें अरुणाचल प्रदेश के स्थानीय लोग सीमा की रक्षा को लेकर भारत की कथित उदासीनता की चर्चा करते सुने गए। कुछ खबरों में दावा किया गया कि चीनी सेना के जवानों ने अरुणाचल के ऊपरी सुबनसिरी ज़िले के ताकसिंग सर्कल में पुकार ला और ओल्लो के पास वास्तविक नियंत्रण रेखा पार की। इसी पृष्ठभूमि में विदेश मंत्रालय ने कहा है कि सीमा क्षेत्रों की स्थिति भारत- चीन संबंधों पर असर डालेगी। उसने दोहराया कि चीनी सैनिकों की घुसपैठ को भारत सबसे गंभीर मुद्दा मानता है, जिसे चीन से बातचीत में हमेशा उठाया गया है।बहरहाल, सवाल है कि चीन भारत की इस चिंता का कितना ख्याल रख रहा है? भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ से वह बाज क्यों नहीं आता? ऐसे प्रश्नों का उत्तर सरकारी सूत्रों के सिर्फ ऐसे बयानों से नहीं मिल सकता कि भारतीय सेना और भारत- तिब्बत सीमा पुलिस सतर्क हैं और चीनी गतिविधियों पर नज़र रख रही हैं। इसलिए कि चीन अगर यह मान कर चलता है कि उसे नुकसान पहुंचाने लायक विकल्प भारत के पास नहीं हैं, तो वह अपनी गतिविधियों को आगे बढ़ाता रहेगा। वहां के नीतिकारों की नजर निश्चित रूप से इस घटनाक्रम पर होगी कि सीमा पर की घटनाओं के बावजूद चीन से आयात बढ़ाने, और अब चीनी पूंजी को आमंत्रित करने की दिशा में भारत आगे बढ़ता गया है। साथ ही ऐसी खबरें भी नहीं आई हैं, जिनसे पता चले कि सीमा पर चीनी फौज को दो-टूक जवाब दिया गया हो। अत: उन कदमों पर विचार अनिवार्य है, जिनसे दुस्साहसी कार्रवाइयों को चीन के लिए महंगा बनाया जाए। ऐसा तभी हो सकता है, जब भारत के पास राष्ट्रीय सहमति से तैयार समग्र चीन नीति हो। अब इस दिशा में पहल की जरूरत है।

कविता

भीगे शब्दों की मिठास।

भीगे शब्दों में बारिश की मीठास मिली हुई होती
जिसकी दहलीज में गीत अब भी मखमली ।

कुछ शब्द बारिश में भीगकर मुलायम हो जाते
जैसे हथेली पर रखा हुआ बचपन।

ओठ कुछ कहना चाहते हैंआँखों ने पहले ही कह दिया ।
एक चुप्पी ,जिसमें तुम्हारी आवाज़ भीगी हुई ।

कुछ शब्द होंठों तक आए,लौटकर हृदय में बैठ गए,
जैसे बारिश के बाद पत्ते पर बूँद देर तक ठहरती।

तुमने पूछा कैसे हो,मुस्कुराकर कहा ठीक ,पर उस मुस्कान में
कितनी सच की बारिश,कोई नहीं जान पाया।

भीगे शब्दों की मिठास महसूस की जाती भीतर बहुत देर तक
पुराने गीत कीतरह भीगती रहती ।

संजीव ठाकुर

पहाड़ की एक चीख और हमारी पूरी तरक्की कटघरे में

[हिमालय के टूटने की आवाज से पहले क्यों नहीं टूटी हमारी नींद?]

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

कभी-कभी पहाड़ नहीं टूटता, हमारे गढ़े हुए भ्रम टूटते हैं। नेपाल-तिब्बत सीमा पर करीब 17 हजार फुट की ऊंचाई पर ग्लेशियर का बड़ा हिस्सा टूटकर लगभग एक किलोमीटर नीचे गिरा और बर्फ, चट्टान व मलबे की प्रचंड धारा बाढ़ में बदल गई। नदियां उफनीं, गांव बह गए और सैकड़ों लोग लापता हो गए। उपग्रह तस्वीरों ने बर्फ में आया वह बदलाव पकड़ लिया, जिसे हमारी आंखें और व्यवस्था समय रहते नहीं पढ़ सकीं। इसलिए यह महज प्राकृतिक आपदा नहीं, उस हिमालय की चेतावनी है, जिसे हमने सदियों तक अडिग माना, जबकि वह भीतर ही भीतर बदल रहा था। बर्फ टूटने की गूंज दरअसल उस भ्रम के चकनाचूर होने की गूंज है कि हिमालय हमारी गलतियां हमेशा ढोता रहेगा।

अब इस आपदा का सबसे भारी सच उन नामों में है, जिनके आगे सिर्फ एक शब्द है—'लापता'। इनमें कैलाश-मानसरोवर यात्रा पर निकले बड़ी संख्या में भारतीय तीर्थयात्री हैं, जिनके परिवार अब आस्था नहीं, इंतजार में हैं। ब्रिटिश (लगभग एक दर्जन) और अमेरिकी पर्यटक भी हैं, जो रोमांच खोजने आए और प्रकृति में खो गए। हर नाम पीछे एक परिवार, उम्मीद और अधूरी जिंदगी छोड़ गया। ऊंचाई और मौसम ने राहत रोक दी; हेलीकॉप्टर उतर नहीं सके, बचाव दल पहुंच नहीं पाए। यहीं तकनीक की ताकत बौनी पड़ जाती है। डिजिटल नक्शे और महंगे उपकरण उस भूगोल में बेबस हैं, जहां कुछ मिनटों में नदी रास्ता और इंसान अपना पता खो देता है।

पहाड़ का कोई हादसा अचानक नहीं होता; दरकने से पहले वह कई बार चेताता है। बढ़ता तापमान हिमालयी बर्फ और ग्लेशियरों की अस्थिरता बढ़ा रहा है, लेकिन इस टूटने का तत्काल कारण अभी स्पष्ट नहीं है। जुलाई 2025 में भी ल्हेंदे-भोटेकोशी क्षेत्र में ग्लेशियल झील के फटने से बाढ़ आई थी। मगर दोष केवल जलवायु परिवर्तन का नहीं। हमने नाजुक हिमालयी घाटियों में सड़कें काटीं, जलविद्युत परियोजनाएं खड़ी कीं और पर्यटन के नाम पर भीड़ बढ़ाई। भोटेकोशी नदी पहले भी बता चुकी है कि पहाड़ की अपनी सीमाएं हैं। हमने इन संकेतों को विकास की रफ्तार में दबा दिया। समस्या सिर्फ गर्म होती बर्फ नहीं, वह अहंकार भी है जिसने मान लिया कि पहाड़ हमारी सुविधा के मुताबिक ढल जाएगा। जिस हिमालय के आगे कभी सिर झुकता था, उसके सामने

अब हम कैमरा और सुविधा लेकर खड़े हैं। पुराने यात्रियों के साधन सीमित थे, पर पहाड़ के प्रति अनुशासन था। वे मौसम पढ़ते, स्थानीय चेतावनी मानते और पर्वत को खुद से बड़ा समझते थे। आज तीर्थ और रोमांच की रेखा मिट गई है। लक्जरी टेंट, तेज सफर और सोशल मीडिया ने यात्रा को अनुभव से ज्यादा प्रदर्शन बना दिया। प्रकृति मनोरंजन और पहाड़ सुविधा की जगह बन गया। विडंबना यह है कि हिमालय जब अपना असली रूप दिखाता है, तो महंगी यात्रा, बीमा और आधुनिक उपकरण भी जीवन की गारंटी नहीं देते। हिमालय को पर्यटन चाहिए, भीड़ और बाजार की अंधी भूख नहीं।पानी को सरहदें नहीं रोकतीं; फिर हिमालय की आपदा को सीमाओं में कैसे बांधा जा सकता है? तिब्बत में ग्लेशियर टूटता है, नेपाल में बाढ़ आती है और असर भारत की नदी प्रणालियों तक पहुंच सकता है। इस बाढ़ का असर नेपाल से बहने वाली नदी प्रणालियों के जरिए भारत के बिहार और उत्तर प्रदेश तक पहुंच सकता है, जहां सतर्कता जारी है। नक्शे इंसानों ने बनाए हैं; पानी और बर्फ उन्हें नहीं मानते। इसलिए हिमालय को देशों के टुकड़ों में देखना खतरनाक है। साझा उपग्रह निगरानी, ग्लेशियरों की जांच, शुरुआती चेतावनी, आपदा आंकड़ों का आदान-प्रदान और संवेदनशील क्षेत्रों में पर्यटन की सीमा जरूरी है। पीढ़ियों से पहाड़ के साथ जी रहे स्थानीय लोगों का ज्ञान भी इसका हिस्सा होना चाहिए। विज्ञान जरूरी है, पर स्थानीय अनुभव को उसका विरोधी मानना बड़ी भूल होगी।

विकास जरूरी है, मगर सवाल यह है कि उसकी कीमत कौन चुकाएगा? बिजली के लिए जलविद्युत, रोजगार और विदेशी मुद्रा के लिए पर्यटन, संपर्क के लिए सड़कें और सुरंगें चाहिए। विरोध विकास का नहीं, उसके अंधेपन का है। जब एक नाजुक घाटी में इतने निर्माण हो जाएं कि एक प्राकृतिक घटना पूरी व्यवस्था को ढहा दे, तो वह विकास नहीं, जोखिम का विस्तार है। हिमालय के बुजुर्ग जानते हैं कि कब नदी बदलती है, किस ढलान पर खतरा है और कौन-सा संकेत टालना नहीं चाहिए। आधुनिक योजनाओं ने इस ज्ञान को अक्सर पिछड़ा मान लिया। अब विकास को स्थानीय अनुभव और वैज्ञानिक आकलन—दोनों के आगे झुकना होगा।

बाढ़ उतर जाएगी, पर उसके पीछे छोड़ा सवाल नहीं उतरेगा। हिमालय की बर्फ सिर्फ पहाड़ पर जमी बर्फ नहीं, एशिया की विशाल नदियों का प्राकृतिक जल-भंडार है। ग्लेशियरों की अस्थिरता एक ओर अचानक बाढ़, दूसरी ओर भविष्य में पानी की कमी का खतरा बढ़ा सकती है। इसलिए आज की 'लापता' सूची को सिर्फ प्रशासनिक आंकड़ा समझना भूल होगी; इसमें आने वाले वर्षों की जलवायु चेतावनी छिपी है। तापमान बढ़ता रहा, निर्माण बेलगाम रहा और पर्यटन वैज्ञानिक सीमा से बाहर गया, तो ऐसी घटनाएं अपवाद नहीं रहेंगी। तब हर आपदा के बाद हम कहेंगे—'किसी ने सोचा नहीं था।' जबकि हिमालय शायद बहुत पहले से कह रहा होगा—सोचो।

हिमालय से लेने की हमारी भूख का अंत कहां होगा—यही अब सबसे बड़ा सवाल है। इस बार बर्फ ने सिर्फ नदी नहीं बढ़ाई, हमारी विकास-दृष्टि की दरार भी खोल दी। अब तीर्थ में संयम, पर्यटन में सीमा, निर्माण में वैज्ञानिक अनुशासन और विकास में पर्यावरणीय विवेक जरूरी है। हिमालयी समुदायों को फैसलों में केंद्र देना होगा और वैज्ञानिक चेतावनियों को फाइलों से निकालकर नीति बनाना होगा। हिमालय को जीतने नहीं, उसके साथ जीने की भाषा सीखनी होगी। बर्फ की चुप्पी टूट चुकी है। अगली बार पहाड़ कब बोलेगा, कोई नहीं जानता। तय सिर्फ इतना है—अगली चेतावनी से पहले हम सुनना सीखेंगे या फिर किसी नई 'लापता सूची' में अपने अहंकार का नाम खोजेंगे।

बदलते समय का रक्षाबंधन

डॉ. सत्यवान सौरभ,

रक्षाबंधन का धागा सिर्फ कलाई पर नहीं, दिल पर बंधता है। यह एक वादा है—साथ निभाने का, सुरक्षा का और बिना कहे समझ लेने का। बहन की राखी में वह मासूम दुआ होती है, जो शब्दों में नहीं कही जाती और भाई की आँखों में वह संकल्प होता है, जो हर चुनौती से लड़ने का हौसला देता है। समय चाहे जितना बदल जाए, दूरियाँ कितनी भी बढ़ जाएँ, यह धागा हर बार रिश्तों की गर्माहट लौटा लाता है। रक्षाबंधन महज एक उत्सव नहीं, बल्कि एक एहसास है—जो हर वर्ष हमें अपने रिश्तों की ओर लौटने का अवसर देता है।भारत विविधताओं से भरा देश है, जहाँ हर त्योहार केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं होता, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक रिश्तों को भी मजबूत करता है। इन्हीं विशेष पर्वों में से एक है रक्षाबंधन, जो भाई-बहन के रिश्ते की मिठास, प्रेम और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। हालांकि बदलते समय, समाज, तकनीक और सोच के साथ रक्षाबंधन के मायने भी बदल रहे हैं। यह परिवर्तन केवल रस्मों तक सीमित नहीं है, बल्कि इस पर्व की आत्मा, उद्देश्य और सामाजिक संदर्भ में भी स्पष्ट दिखाई देता है।रक्षाबंधन की जड़ें भारतीय इतिहास, पौराणिक कथाओं और सामाजिक परंपराओं में गहराई से जुड़ी हुई हैं। द्रौपदी और श्रीकृष्ण की कथा हो या रानी कर्णावती द्वारा हुमायूँ को राखी भेजने की लोकप्रिय ऐतिहासिक कथा—राखी लंबे समय से स्नेह, विश्वास और संरक्षण के भाव से जुड़ी रही है। परंपरागत रूप से बहन भाई की कलाई पर राखी बाँधती थी और भाई उसकी रक्षा करने का संकल्प लेता था। इस रिश्ते में प्रेम, विश्वास और समर्पण की गहरी भावना निहित थी।

लेकिन आज रक्षाबंधन का दायरा केवल रक्त संबंधों तक सीमित नहीं रहा। कई महिलाएँ अपने मित्रों, सहकर्मियों, शिक्षकों, सैनिकों और यहाँ तक कि प्रकृति को भी राखी बाँधती हैं। यह बदलाव बताता है कि 'रक्षा'

अब केवल किसी एक व्यक्ति का दायित्व नहीं, बल्कि सामाजिक और भावनात्मक जि मेदारी का व्यापक भाव बन चुकी है।सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन यह है कि रक्षा का रिश्ता अब एकतरफा नहीं रहा। आज बहनें भी अपने भाइयों से कहती हैं—卐मैं भी तेरी रक्षा करूँगी।卐 यह वाक्य बदलते सामाजिक संबंधों की पूरी तस्वीर सामने रखता है। भाई और बहन दोनों एक-दूसरे के सुख-दुख में सहभागी, सहायक और संरक्षक हो सकते हैं।तकनीक ने भी रक्षाबंधन मनाने के तौर-तरीकों को बदल दिया है। पहले राखी भेजने के लिए डाकघर जाना पड़ता था, जबकि आज डिजिटल राखियाँ, वीडियो कॉल, ऑनलाइन गि टिंग और वर्चुअल समारोह रिश्तों को जोड़ने के नए माध्यम बन गए हैं। विदेशों या दूर-दराज के शहरों में रहने वाले भाई-बहन भले शारीरिक रूप से एक-दूसरे से दूर हों, लेकिन वीडियो कॉल के माध्यम से राखी बाँधने और शुभकामनाएँ देने की परंपरा ने दूरी को कम करने का नया रास्ता दिया है।

कुछ लोग डिजिटल माध्यमों को भावनाओं की कमी से जोड़ सकते हैं, लेकिन वास्तविकता यह भी है कि तकनीक ने दूरियों के बीच भावनात्मक संपर्क बनाए रखना आसान किया है। माध्यम बदला है, भावना नहीं।

उपहारों के संदर्भ में भी रक्षाबंधन की परंपरा बदल रही है। पहले भाई द्वारा बहन को मिठाई और उपहार देना प्रेम की अभिव्यक्ति माना जाता था। आज कई बहनों की प्राथमिकता अलग है। वे कहती हैं—卐भैया, गि ट नहीं चाहिए, थोड़ा समय चाहिए; फुर्सत चाहिए; समझ चाहिए।卐

यह बदलाव आधुनिक महिला की बदलती आकांक्षाओं को दर्शाता है। आज की बहन आत्मनिर्भर है। वह केवल आर्थिक उपहार नहीं, बल्कि भावनात्मक सुरक्षा, मानसिक सहयोग, स मान, संवाद और बराबरी की भागीदारी चाहती है। इसलिए रिश्तों में वस्तुओं की जगह समय और संवेदनशीलता का महत्व बढ़ रहा है।

परंपरागत रूप से रक्षाबंधन का अर्थ था—卐भाई बहन की रक्षा करेगा।卐 आज यह अवधारणा व्यापक हो रही है। लड़कियाँ आत्मनिर्भर हैं और अपने भाइयों की आर्थिक, भावनात्मक, शैक्षणिक तथा सामाजिक रूप से मदद कर रही हैं। भाई भी बहनों के सपनों और निर्णयों का साथ दे रहे हैं। इस प्रकार रक्षाबंधन अब केवल संरक्षण का नहीं, बल्कि परस्पर सहयोग और साझेदारी का पर्व बनता जा रहा है।

इसी बदलाव का एक सुंदर विस्तार प्रकृति और समाज के प्रति जि मेदारी में भी दिखाई देता है। कई स्थानों पर पेड़ों को राखी बाँधने की परंपरा विकसित हुई है। बच्चे और महिलाएँ वृक्षों को राखी बाँधकर यह संदेश देते हैं कि हमारी जि मेदारी केवल मनुष्यों तक सीमित नहीं है; प्रकृति भी हमारी देखभाल और संरक्षण की हकदार है। इसी तरह सैनिकों को राखी भेजना देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले जवानों के प्रति स मान और भावनात्मक जुड़ाव को व्यक्त करता है।

मेष राशि: आज आपके लिए दिन फायदेमंद रहेगा। आपकी निर्णय लेने की क्षमता बेहतर होगी। कार्यक्षेत्र में आपको बेहतर अवसर मिलने की संभावना है। व्यापारियों को व्यापार से रिलेटेड यात्रा होने के योग हैं। इस यात्रा से आपको अच्छा लाभ मिलेगा। आज आप धन की बचत करने में कामयाब रहेंगे।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आप अपने प्रियजनों और परिवार के बड़ों से सलाह लेकर ही कोई व्यवसाय से संबंधित निर्णय लेंगे। किसी तरह के पैसों के लेन-देन में आज आपको सावधानी बरतने की जरूरत है। आज कहीं से अचानक धन आगमन के योग हैं। आप कोई मकान या जमीन खरीदने का प्लान बना सकते हैं।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज आपका दिन पॉजिटिव रहेगा। व्यवसाय से जुड़े लोगों को व्यापार में बड़े लाभ की उम्मीद है। नई व्यापारिक योजनाएं बनाने में कामयाब रहेंगे। आपका पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। रिश्तों में मिठास बनी रहेगी। उच्च स्तरीय शिक्षा में आपकी संतान के एडमिशन लेने की खबर मिल सकती है।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज आपकी कोई इच्छा पूरा होने से पूरे दिन मन प्रसन्न रहेगा। आप उच्च शिक्षा के लिए हाई प्रोफाइल संस्थान में प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। परिवार में किसी शुभ कार्य पर आप धन खर्च करेंगे।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज आपका दिन लकी रहने वाला है। आप व्यापार शुरू करने का मन बनाएंगे, जिसमे परिवार वालों का पूरा सहयोग मिलेगा। आज आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी, आज किसी प्रकार की बिजनेस डील हो सकती है। जिससे आप बहुत खुश होंगे।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आपके लिए आज का दिन बढ़िया रहेगा। कुछ नए संपर्कों से आपको लाभ मिलेगा। आज आपके व्यापार में उन्नति होने के योग बने हुये है। किसी पारिवारिक समस्या का आज समाधान निकालने में सफल होंगे, परिवार के सदस्यों में ताल-मेल बढ़ेगा।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज आपका दिन प्रसन्नता पूर्वक बीतेगा। आपको अपने कुछ पुराने मित्रों से मेल-जोल बढ़ाने का मौका मिलेगा। कार्यक्षेत्र क्षेत्र में दी गई जिम्मेदारियों को आज आप बखूबी निभाएंगे। अपने सीनियर्स के साथ कुछ पुरानी यादों को ताजा करेंगे।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आपको किसी प्रकार के लेन-देन के मामले में स्पष्टता रखनी होगी। संतान के करियर में विशेष उपलब्धि मिलने से आपको खुशी मिलेगी। काफी दिनों से स्टार्टअप शुरू करने का प्लान पूरा करने में कामयाब रहेंगे। आज आप एक अच्छे टीम लीडर साबित होंगे।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। नौकरी कर रहे लोगों को कोई अच्छी उपलब्धि मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में आप अपनी अच्छी सोच का लाभ उठाएंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर बनेगी। आज आपको किसी बड़ी कंपनी से नौकरी का ऑफर आयेगा।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आपको नौकरी से रिलेटेड कोई शुभ समाचार सुनने को मिलेगा। जिसकी आपको प्रतीक्षा थी। जीवनसाथी की ओर से कोई उपहार मिलने से पूरे दिन आपका मन प्रसन्न रहेगा। आप परिवार के साथ कहीं यात्रा पर जाएंगे।

कुम्भ राशि: आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। कार्य स्थल पर आपके काम की सराहना होगी। मीडिया और जन संचार से जुड़े लोगों को उनके काम के लिए प्रसिद्धि मिलेगी। अगर आप लेखक है और कोई किताब लिखना चाह रहे हैं तो समय अनुकूल है। सेहत के मामले में आज आप चुस्त-दुरुस्त बने रहेंगे। आपका पारिवारिक जीवन उत्साह से भरा रहेगा।

मीन राशि:मीन राशि वालों आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आप धर्म-कर्म के कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। छात्रों को सफलता मिलने के योग बने हुए है, बस थोड़ी और मेहनत करने की जरूरत है। गवर्नमेंट सेक्टर से जुड़े लोगों को उच्च अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा।

देश को कॉकरोच मत बनाइए

हरिशंकर व्यास

यह न मेरा निष्कर्ष है, न कोई नई बात। जिस कथित हिंदू राजनीति का इतना शोर है, उसके भय, भूख, भक्ति और लूट के बीज न सावरकर की पुस्तकों में मिलते हैं और न स्वतंत्र भारत में सेकुलरवाद तथा इस्लामी आक्रमणों की सबसे तीखी आलोचना करने वाले स्वामी करपात्री, सीताराम गोयल या अरुण शौरी की लेखनी में। स्वामी करपात्री वे दबंग और तात्त्विक चिंतक थे, जिन्होंने 1952 के पहले आम चुनाव में हिंदू कोड बिल और गौहत्या प्रतिबंध को मुद्दा बनाकर पंडित जवाहरलाल नेहरू के विरुद्ध स्वामी प्रभुदत्त ब्रह्मचारी को चुनाव मैदान में उतारा। हालात ऐसे बने कि नेहरू को अपनी सीट बचाने के लिए स्वयं प्रचार करना पड़ा। चुनावी पोस्टरों पर विशेष रूप से पंडित जवाहरलाल नेहरू लिखना पड़ा। यही करपात्री पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर लगी पाबंदी हटवाने और जेलों में बंद उसके कार्यकर्ताओं की रिहाई के लिए भी सक्रिय रहे।

लेकिन इसके बावजूद वे संघ और गुरु गोलवलकर के कठोर आलोचक थे। कारण क्या था? उनका स्पष्ट मत था, आपको (गोलवलकर-संघ) प्रामाणिक ग्रंथ मान्य नहीं हैं। मनमानी ही यदि आदर्शों और परंपराओं का आधार होगी तो कोई भी वैसा कर सकता है। ऐसी निष्प्रमाण परंपरा और आदर्श उसके दिमाग का फितूर मात्र हैं, तात्त्विक नहीं। यदि यही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का आदर्श है तो उससे प्रामाणिक सनातन धर्म को लाभ नहीं, हानि ही होगी। तब आस्तिकों को कम्युनिस्ट, सोशलिस्ट और सेक्युलरिस्ट की तरह इसका भी विरोध करना होगा।

ओह! करपात्री कितने सही साबित हुए। ये पंक्तियां स्वामी करपात्री की पुस्तक 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और हिंदू धर्म' (तुलसी मंदिर, वाराणसी, 1970) की प्रस्तावना प्रामाण्य-विचार की

अंतिम पंक्तियां हैं।

तो सौ वर्ष पहले स्थापित आरएसएस और उसकी राजनीति की गंगोत्री आखिर क्या है? तात्त्विक आधार से रिक्त, बुद्धि से शून्य और फितूर से संचालित राजनीति। यही निष्कर्ष संघ को दशकों तक पढ़ने-समझने वाले सीताराम गोयल ने अपने ढंग से निकाला, डफरों की जमात। और बाद में अरुण शौरी ने उसी प्रवृत्ति को एक शब्द में समेट दिया, इलहामी। यानी रात को सपना देखिए और सुबह उसे नीति घोषित कर दीजिए। जैसे एक रात नोटबंदी का सपना आया और अगले दिन पूरा देश उसकी प्रयोगशाला बन गया।

तभी क्या 12 वर्षों का यह प्रामाणिक निष्कर्ष नहीं बनता कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 140 करोड़ लोगों का देश बुद्धि, विवेक, कौशल, शिक्षा, नैरेटिव, विचार और पठन-पाठन, हर स्तर पर सिकुड़ता गया है? ज़रा प्रधानमंत्री, उनके पीएमओ, कैबिनेट, सलाहकारों, वफ़ादार आईएएस, आईपीएस अधिकारियों, थिंक टैंकों और संस्थानों के प्रमुखों के चेहरों पर गौर करें। क्या इनमें एक भी ऐसा बचा है, जिसमें इतना बौद्धिक साहस हो कि वह अपने प्रधानमंत्री, गृह मंत्री से कह सके कि देश को कॉकरोच मत बनाइए; सच सुनिए और सच स्वीकार कीजिए?

यदि सत्ता ने राजधर्म का अर्थ विपक्ष को पप्पू, देशद्रोही और धर्मविरोधी घोषित करना बना लिया है; यदि झूठे मुकदमों, ईडी और सीबीआई के राजनीतिक इस्तेमाल को शासन का सामान्य औज़ार बना लिया गया है, तो क्या किसी एक में भी, इतना भी साहस नहीं कि वह कहे, बस, बहुत हुआ।

यदि गृह मंत्री नागरिकों की नागरिकता पर ही तलवार लटकाए, तो क्या कोई भी यह नहीं बोलेगा कि मां भारती की भूमि पर इससे बड़ा अपमान क्या होगा कि उसके अपने ही नागरिकों को संदेह की निगाह से देखा जाए? बात-बात पर भय पैदा करना, फितूरी और फर्जी नैरेटिव गढ़ना, क्या यही राष्ट्रधर्म है? या राष्ट्रधर्म नागरिक का आत्मविश्वास बढ़ाना, निर्भयी बनाना होता है?मनुष्य को कॉकरोच कहना संस्कृति है या बर्बरता? और यदि उसी अपमान के प्रतिरोध में 15, 18, 20 या 25 वर्ष के लड़के-लड़कियां संसद मार्ग तक मार्च करें, तो उन पर लाठीचार्ज करना, आंसू गैस छोड़ना, क्या यही हिंदूपन है, या फिर जंगल का कानून है? और क्या इतना ही काफ़ी नहीं था कि गुस्से में सड़क पर उतरी 15-20 वर्ष की बच्चियों पर एफआईआर दर्ज हों, उनके घरों तक पुलिस पहुंचे, परिवारों को डराया जाए? क्या यह उस संस्कृति का गौरव है, जिसके नाम पर नैतिकता का सबसे ऊंचा दावा किया जाता है? या यह उसी संस्कृति पर सबसे गहरा कलंक है?पर बुद्धिहीनता की भी एक सीमा होती है। परीक्षा, बेरोज़गारी और अवसरों की चिंता से जूझ रहे बच्चों-बच्चियों से माफ़ी मांगना तो दूर, उनकी पीड़ा पर खेद या अफ़सोस तक व्यक्त नहीं हुआ। उलटे नरेंद्र मोदी, अजित डोवाल और पूरी सत्ता ने मान लिया कि समस्या परीक्षा नहीं, इंस्टाग्राम है; बेरोज़गारी नहीं, सोशल मीडिया है; और बच्चों का गुस्सा नहीं, उनकी रीलें हैं।

K K

राष्ट्रीय समाचार

शुक्रवार 28 अगस्त 2026,नर्मदापुरम् (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

पंजाब में आज 'महा हड़ताल', सरकारी दफ्तर बंद,नहीं चलेंगी बसें; सीएम मान जालंधर में करेंगे मीटिंग

चंडीगढ़ ,(आरएनएस) । पंजाब में आज हड़ताल के चलते सभी सरकारी दफ्तर, अस्पताल-डिस्पेंसरियों की ओपीडी और शिक्षण संस्थान पूरी तरह से बंद रहेंगे। सरकारी कर्मचारियों ने अपने-अपने डिपार्टमेंट हेड्स से सामूहिक छुट्टी ले ली है। कर्मचारियों का कहना है कि वे आज पूरे दिन हड़ताल पर रहेंगे।

सांझा मुलाजिम मंच पंजाब ने घोषणा की थी कि सरकारी बसों के ड्राइवर कंडक्टर भी हड़ताल पर रहेंगे, लेकिन बुधवाार को उनकी वित्त मंत्री के साथ बैठक हुई। इसके बाद उन्होंने रक्षाबंधन का हवाला देकर हड़ताल में शामिल होने से मना कर दिया। राज्य के लगभग 3 लाख से अधिक सरकारी कर्मचारी और 4 लाख से अधिक पेंशनभोगी इस हड़ताल में शामिल हो रहे हैं।

महाहड़ताल के बीच मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ कर्मचारी संगठनों की आज जालंधर में मीटिंग होगी। कर्मचारियों ने साफ कर दिया कि सीएम के साथ बैठक भी रहेगी तो हड़ताल भी जारी रहेगी।

एक ही परिवार के 4 लोगों ने ट्रेन के नीचे कूदकर किया सुसाइड, मचा हड़कंप; मृतकों में दो बच्चे भी शामिल

जलगांव ,(आरएनएस)। महाराष्ट्र के जलगांव जिले के अमलनेर तालुका के टाकरखेड़ा में सुबह एक ही परिवार के चार लोगों ने चलती ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। मृतकों में पति-पत्नी और उनके दो मासूम बच्चे शामिल हैं। घटना की सूचना वेस्टर्न रेलवे के अधिकारियों ने सुबह करीब 4:40 बजे अमलनेर पुलिस को दी।

सूचना मिलते ही पुलिस इंस्पेक्टर दत्तात्रेय निकम की निगरानी में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शवों का पंचनामा किया। मृतकों की पहचान सुनील अमृत भील, उनकी पत्नी पार्वती भील, बड़े बेटे सनी और छोटे बेटे राज के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, परिवार सुबह करीब चार बजे अचानक घर से निकला था। इसके कुछ देर बाद धरनगांव और अमलनेर के बीच रेलवे ट्रैक पर चलती ट्रेन के सामने कूदकर चारों ने जान दे दी। शुरुआती जानकारी में पारिवारिक विवाद को घटना की संभावित वजह माना जा रहा है। हालांकि, आत्महत्या के वास्तविक कारण का अभी आधिकारिक तौर पर पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और परिवार से जुड़े लोगों से पूछताछ की जा रही है। एक ही परिवार के चार लोगों, खासकर दो मासूम बच्चों की मौत से टाकरखेड़ा गांव और पूरे जलगांव जिले में शोक की लहर है।

हरियाणवी सिंगर अंकित बालियान की हत्या की जिम्मेदारी गोगी गैंग ने ली, जिम के बाहर की थी 20 राउंड फायरिंग

शामली ,(आरएनएस)। हरियाणवी सिंगर-कलाकार अंकित बालियान की हत्या की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े गोगी गैंग के शूटर भोलू शाहपुरिया ने लेने का दावा किया है। सोनीपत निवासी भोलू ने गुरुवार सुबह इंस्टाग्राम पर पोस्ट साझा कर हत्या की जिम्मेदारी ली और साथ में 'वेट एंड वॉच' लिखा। हालांकि, पुलिस ने सोशल मीडिया पर किए गए इस दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

अंकित बालियान की बुधवार शाम शामली शहर के आर्यपुरी इलाके में नाला पटरी मार्ग स्थित जिम के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। बाइक सवार चार बदमाशों ने करीब दो मिनट तक ताबड़तोड़ फायरिंग की और मौके से फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई।

बाबरी थाना क्षेत्र के बंतीखेड़ा गांव निवासी 35 वर्षीय अंकित बालियान पुत्र सत्यवीर फौजी बुधवार दोपहर करीब साढ़े चार बजे आर्यपुरी स्थित मसल्स जिम पहुंचे थे। शाम करीब 6:48 बजे वह जिम से निकलकर अपनी स्कॉर्पियो में बैठने जा रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार चार बदमाशों ने उन पर गोलियां चला दीं।करीब दो मिनट तक हुई फायरिंग में लगभग 20 राउंड गोलियां चलाए जाने की बात सामने आई है। इनमें करीब आठ गोलियां अंकित को लगीं, जबकि पांच गोलियां उनकी स्कॉर्पियो में लगीं। हमलावर वारदात के बाद करीब 200 मीटर तक फायरिंग करते हुए पैदल फरार हो गए।फायरिंग के बाद अंकित का शव नाली के पास सड़क पर पड़ा मिला। घटनास्थल से खून, कारतूस के खोखे और अंकित का मोबाइल फोन बरामद हुआ। जिम के अंदर उस समय एक पुलिसकर्मी समेत कुछ लोग मौजूद थे। उन्होंने लोगों की मदद से अंकित को उसकी ही गाड़ी में सीएचसी पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

नेपाल बाढ़ के बाद बिहार अलर्ट, गंडक नदी से खतरा; NDRF IG बोले- 9 टीमें तैनात, बढ़ाई गई निगरानी

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के आईजी नरेंद्र सिंह बुंदेला ने गुरुवार को कहा कि नेपाल में त्रासदी के बाद बाढ़ की स्थिति को देखते हुए बिहार के संवेदनशील इलाकों में नौ टीमें तैनात की गई हैं। उन्होंने बताया कि जरूरत पड़ने पर सहायता के लिए एनडीआरएफ स्टैंडबाय पर है। उन्होंने कहा कि गंडक नदी उत्तर प्रदेश और बिहार दोनों के कुछ हिस्सों को प्रभावित कर सकती है।आईजी नरेंद्र बुंदेला ने कहा, 5गंडक नदी उत्तर प्रदेश और बिहार दोनों को प्रभावित करती है। उत्तर प्रदेश में कुशीनगर और बिहार में वे जिले, जिनसे होकर गंडक नदी गुजरती है और अंत में गंगा में मिल जाती है, प्रभावित हो सकते हैं। राज्य सरकार स्थिति पर नजर रखे हुए है और एनडीआरएफ की टीमें वहां तैनात हैं।5उन्होंने कहा कि जब बरसात का मौसम आता है, उस समय केंद्रीय स्तर पर एक बैठक होती है। इसमें राज्यों के अंदर एनडीआरएफ की तैनाती को प्लान के तहत पहले ही कर दिया जाता है। अभी जो घटना घटी है, उसके कारण निगरानी और तैनाती बढ़ाई गई है।उन्होंने कहा कि आज की स्थिति को देखते हुए बिहार के कई इलाकों के प्रभावित होने की आशंका है, इसलिए कुल 9 टीमें तैनात की गई हैं। इनमें से दो टीमें खासतौर पर गंडक नदी वाले इलाके के लिए तैनात की गई हैं।नरेंद्र बुंदेला ने यह भी कहा कि भारत सरकार ने नेपाल को व्यापक तौर पर मानवीय सहायता और आपदा राहत पहुंचाई है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर प्रभावित देश मदद मांगता है तो एनडीआरएफ सहायता देने के लिए तैयार है।

मुझे देश के युवाओं की शक्ति और सामर्थ्य पर भरोसा, खेलो इंडिया डायलॉग में बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को वर्चुअल माध्यम से खेलो इंडिया डायलॉग ङ्क खेल की बात, प्रधानमंत्री मोदी के साथ' के तहत देश भर के युवा एथलीटों को संबोधित किया। पीएम ने अपने संबोधन में कहा, आप सभी ने शानदार तरीके से खेलो इंडिया संवाद कार्यक्रम आयोजित किया है। इसके लिए सभी को बधाई। तकनीक के माध्यम से इस कार्यक्रम से जुड़े केंद्रीय मंत्रीमंडल के मेरे साथी, राज्यों के मुख्यमंत्री, राज्य सरकार के मंत्री, संसद में मेरे साथी। माय भारत के लाखों स्वंयसेवकों का मैं अभनिंदन करता हूं। उन्होंने कहा, 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस है। मैं खेल जगत से जुड़े साथियों और युवाओं को खेल दिवस की शुभकामना देता हूं। यह दिन मां भारती की एक महान संतान मेजर ध्यानचंद को याद करने का भी अवसर होता है। सौ वर्ष पहले भारतीय सेना की हॉकी टीम न्यूजीलैंड दौरे पर थी। उस दौरे पर ध्यानचंद भी गए थे। वो दौरा भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेल संबंध के सौ वर्ष पूरे होने का आधार है। कुछ दिन पहले मैं न्यूजीलैंड की यात्रा पर था और उस समय भी मैंने मेजर ध्यानचंद को याद किया था। उन्होंने जिन रिश्तों की नीवं रखी थी, आज भारत उन्हीं रिश्तों को समृद्ध बनाने के लिए कार्य कर रहा है।

पीएम ने कहा, मैंने 15 अगस्त को लालकिले से भारत का स्पोर्ट्स विजन देश के सामने रखा था। मैं जब खेल की बात करता हूं, तो यह केवल पदक

जीतने तक सीमित नहीं है। यह विकसित भारत के निर्माण में, भारत की खेल शक्ति और भारत की युवा शक्ति को एक साथ जोड़ने का अभियान है। मैं हमेशा कहता आया हूं कि जो खेले वो खिले। खेल में खिलना सिर्फ मैदान पर जीतना नहीं है। खेल में खिलना मतलब व्यक्तित्व का खिलना है, परिवार का खिलना है और देश का गौरव बढ़ाना है।

उन्होंने कहा, जब कोई खिलाड़ी सफल होता है, तो उसकी सफलता से उसके परिवार की पहचान और प्रतिष्ठा बढ़ती है। जिस स्कूल और कॉलेज में वह पढ़ता है, उसकी प्रतिष्ठा बढ़ती है। उस जिले और राज्य की पहचान और प्रतिष्ठा बढ़ती है। दुनिया उस खिलाड़ी की वजह से उसके जिले और राज्य को पहचानने लगती है। ऐसी अनेक सफलताएं लेकर कोई क्षेत्र वैश्विक खेल मानचित्र पर चमकता है, तो दुनिया का उस शहर को देखने का नजरिया बदलता है।पीएम मोदी ने कहा, इस कार्यक्रम में देश के सैकड़ों जिलों के खिलाड़ी जुड़े हुए हैं। हर जिले में दुनिया के मानचित्र पर चमकने की ताकत है। इस ताकत को समझते हुए ही, हमें इस संवाद कार्यक्रम को आगे बढ़ाना है। इस बार लाल किले से खेलों से जुड़ी एक बहुत बड़ी चुनौती पर भी देश का ध्यान दिलाया था। यह चुनौती ओलंपिक से जुड़ी है। ओलंपिक में जितने भी खेल होते हैं, उसमें से आधे खेलों में हिस्सा नहीं लेती। पदक के एक बड़े हिस्से के लिए हम प्रतियोगिता ही नहीं करते। दशकों से ऐसा ही चला आ रहा है। 2012 ओलंपिक में भारत ने सिर्फ 13 खेलों में हिस्सा लिया था। 20 से ज्यादा खेलों में हमारी भागीदारी नहीं थी। इनमें ऐसे कई खेल हैं जिनका नाम भी हमारे देश में लोगों ने नहीं सुना। दुनिया के देश जिन खेलों में पदक जीतते हैं उसमें हम हिस्सा ही नहीं लेते। पदकों की संख्या बढ़ाने के लिए हमें इन खेलों में महारत हासिल करनी होगी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात के अमरेली में 'विश्व झील दिवस' के मौके पर 'गुजरात गौरव सरोवर' का उद्घाटन किया। यह सरोवर 21 एकड़ में फैला है और इसमें 40 करोड़ लीटर पानी जमा करने की क्षमता है।

यूपी के कानपुर में विमान हादसा : गंगा बैराज के पास ट्रेनी विमान क्रैश,ट्रेनर और ट्रेनी पायलट की मौत

कानपुर ,(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के कानपुर में गुरुवार दोपहर एक दर्दनाक विमान हादसा हो गया। गंगा बैराज के पास नत्था पुरवा गांव में एक ट्रेनी विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में विमान में सवार ट्रेनर और ट्रेनी पायलट की मौत हो गई। शुरुआती जानकारी के अनुसार विमान ट्विन इंजन वाला था। बताया जा रहा है कि विमान उड़ान पर था, इसी दौरान अचानक उसमें तेज धमाका हुआ। धमाके के बाद विमान अपना संतुलन खो बैठा और देखते ही देखते जमीन पर जा गिरा। हादसा इतना भीषण था कि विमान बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार दोनों लोग बाहर नहीं निकल सके।हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान गुजरात निवासी सचिन भाटिया और कर्नाटक निवासी अभिषेक पुजारी के तौर पर हुई है। सचिन भाटिया ट्रेनर के रूप में विमान में मौजूद थे, जबकि अभिषेक पुजारी ट्रेनिंग ले रहे थे।

विमान दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीमें घटनास्थल पर पहुंचीं। हादसे के बाद आसपास के इलाके में बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। राहत और बचाव से जुड़ी कार्रवाई के साथ घटनास्थल की जांच भी शुरू कर दी गई है।

फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि उड़ान के दौरान विमान में धमाका किस वजह से हुआ और इसके बाद वह दुर्घटनाग्रस्त कैसे हुआ। पुलिस और संबंधित अधिकारी हादसे के कारणों की जांच कर रहे हैं। जांच पूरी होने के बाद ही दुर्घटना की वास्तविक वजह सामने आ सकेगी।

दिल्ली में 21 साल की मॉडल की घर में घुसकर हत्या, चाकू से गोदा; आरोपी जिम ट्रेनर इमरान फरार

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। राजधानी दिल्ली के तिलक नगर इलाके में बुधवार रात 21 वर्षीय युवती की उसके घर में चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। मृतका की पहचान मुस्कान के रूप में हुई है। वह स्टूडेंट होने के साथ मॉडलिंग भी करती थी। पुलिस को शक है कि वारदात को उसके जिम ट्रेनर इमरान ने अंजाम दिया है। घटना के बाद से आरोपी फरार है और उसकी तलाश में पुलिस की कई टीमें जुटी हैं।

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, मुस्कान बिल्डिंग की दूसरी मंजिल पर स्थित अपने घर में अकेली थी। इसी दौरान आरोपी ने कथित तौर पर उस पर चाकू से हमला कर दिया। मुस्कान की चीखें सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे तो वह खून से लथपथ हालत में मिली। पड़ोसी उसे तुरंत अस्पताल लेकर गए, जहां गंभीर चोटों के कारण उसकी मौत हो गई।

एडिशनल डीसीपी गुप्ता ने बताया कि आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस की टीमें लगातार काम कर रही हैं। इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस वारदात से जुड़े हर पहलू की जांच कर रही है और आरोपी के बारे में अधिक जानकारी जुटाई जा रही है।दिल्ली पुलिस के अनुसार, आरोपी और मुस्कान एक-दूसरे को कुछ समय से जानते थे। हमले के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।मुस्कान के दोस्त अमन ने बताया कि वह तीन बहनों में सबसे छोटी थी। अमन के मुताबिक, चंडीगढ़ में रहने वाली मुस्कान की बड़ी बहन ने उसे फोन कर तुरंत घर पहुंचने के लिए कहा था। उसने बताया कि किसी ने मुस्कान को चाकू मार दिया है।अमन ने कहा कि उसने तुरंत अपने एक दोस्त को फोन कर घर पहुंचने और मुस्कान को अस्पताल ले जाने के लिए कहा। जब वह मौके पर पहुंचा, तब तक एंबुलेंस मुस्कान को अस्पताल लेकर जा चुकी थी।

बुखार-खांसी में भूलकर भी न खाएं एंटीबायोटिक, स्वाइन फ्लू पर डॉक्टरों ने दी बड़ी चेतावनी

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। देश के कई राज्यों में स्वाइन फ्लू (H1N1) का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। मौसम में बदलाव के साथ ही अस्पतालों की ओपीडी में बुखार, खांसी-जुकाम, सिरदर्द और बदन दर्द के मरीजों की भारी भीड़ उमड़ रही है। ऐसे में कई लोग डॉक्टर के पास जाने के बजाय सीधे मेडिकल स्टोर से एंटीबायोटिक खरीदकर खुद ही अपना इलाज कर रहे हैं। अगर आप भी ऐसा कर रहे हैं, तो तुरंत सावधान हो जाइए। स्वास्थ्य विशेषज्ञों और डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि बिना टेस्ट कराए खुद से एंटीबायोटिक लेना आपकी सेहत के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकता है।

वायरल इन्फेक्शन में बिल्कुल बेअसर हैं एंटीबायोटिक दवाएं

दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर डॉ. कुलदीप कुमार का कहना है कि खांसी, जुकाम और बुखार के साथ ओपीडी में आ रहे मरीजों में कई लोग स्वाइन फ्लू पॉजिटिव पाए जा रहे हैं। उनका स्पष्ट कहना है कि स्वाइन फ्लू इन्फ्लूएंजा 'ए' वायरस से होने वाला संक्रमण है, यह कोई बैक्टीरियल बीमारी नहीं है। एंटीबायोटिक दवाएं केवल बैक्टीरिया को मारती हैं, वायरस पर इनका कोई असर नहीं होता। बुखार में बिना जरूरत एंटीबायोटिक खाने से शरीर में 'एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस' पैदा हो जाता है, जिससे भविष्य में किसी गंभीर बीमारी के दौरान असली संक्रमण पर भी ये दवाएं काम करना बंद कर देती हैं।

इन लक्षणों को न करें नजरअंदाज, ये है सही इलाज

स्वाइन फ्लू की चपेट में आने पर मरीज को 100 से 104 डिग्री तक तेज बुखार, सूखी खांसी, गले में दर्द, बंद नाक, सिरदर्द, शरीर में टूटन और पेट से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। कुछ मामलों में सांस लेने में भारी तकलीफ भी देखी जाती है। डॉक्टरों के मुताबिक, इन लक्षणों के आधार पर टेस्ट किया जाता है और स्वाइन फ्लू की पुष्टि होने पर मरीज की स्थिति के अनुसार एंटीवायरल दवा दी जाती है। 'टैमीफ्लू' (ओसेल्टामिविर) एक ऐसी ही कारगर दवा है, जिसका इस्तेमाल केवल डॉक्टर की सलाह और तय प्रोटोकॉल के तहत किया जाता है। सही समय पर इलाज शुरू होने से मरीज को गंभीर हालत में जाने से बचाया जा सकता है।

इन लोगों की जान पर मंडरा रहा है सबसे ज्यादा खतरा

दिल्ली के वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. कमलजीत सिंह कैंथ का कहना है कि ज्यादातर लोग स्वाइन फ्लू से कुछ ही दिनों में पूरी तरह ठीक हो जाते हैं, लेकिन कुछ लोगों के लिए यह वायरस जानलेवा रूप ले सकता है। 65 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों और पहले से किसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीजों को इस मौसम में सबसे ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है। ऐसे लोगों को फ्लू के हल्के लक्षण दिखते ही तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए और घर पर खुद से दवा खाने से बचना चाहिए।

नेपाल बाढ़ : भारत लगातार सहायता में बढ़ा रहा हाथ, 37.5 टन राहत सामग्री की दूसरी खेप लेकर रवाना हुआ विमान

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। नेपाल के तीन जिलों में भोटेकोसी नदी में आई अचानक बाढ़ (फ्लैश फ्लड) से हुई तबाही के बाद भारत की ओर से लगातार सहायता जारी है। नेपाल में जल आपदा को लेकर भारत मदद का हाथ बढ़ाते हुए लगातार राहत सामग्री भेजने का अभियान जारी रखे हुए है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बताया कि नेपाल में राहत और बचाव कार्यों में मदद के लिए बुधवार को दस टन मानवीय सहायता की पहली खेप के बाद गुरुवार को भी भारत ने दूसरी 37.5 टन खेप रवाना कर दी है। जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में लिखा, भारत की ओर से नेपाल के लिए राहत सामग्री भेजने का अभियान जारी है। दूसरी उड़ान भी नेपाल के लिए रवाना हो चुकी है, जिसमें 37.5 टन मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) सामग्री, दवाइयां और खाद्य पैकेट भेजे गए हैं।

उन्होंने बताया कि भारत नेपाल के अधिकारियों के साथ लगातार और करीबी संपर्क में बना हुआ है। राहत और बचाव कार्यों में हर संभव सहयोग जारी रखा जाएगा।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर

लिखा, नेपाल के लिए 37.5 टन एचएडीआर सामग्री, दवाइयां और खाद्य पैकेट लेकर दूसरी उड़ान रवाना हो चुकी है। भारत ने दोहराया है कि वह इस कठिन समय में नेपाल के साथ मजबूती से खड़ा है और चल रहे राहत प्रयासों को पूरा समर्थन देता रहेगा।

इससे पहले बुधवार को भारत ने नेपाल में राहत और बचाव कार्यों में मदद के लिए 10 टन मानवीय सहायता भेजी है। नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने यह राहत सामग्री औपचारिक रूप से नेपाल के संस्कृति, पर्यटन और नागरिक उड्डयन मंत्री खड़क राज पौडेल को सौंपी। इस सहायता में बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित लोगों के लिए जरूरी राहत सामग्री शामिल है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत इस कठिन समय में नेपाल के साथ मजबूती से खड़ा है और हर संभव सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध है।

जानकारी के अनुसार, गुरुवार सुबह तक नेपाल की भोटेकोशी नदी में अचानक आई भीषण बाढ़ में बह गए 162 लोगों के शव बरामद कर लिए गए हैं। पुलिस ने एक नोटिस में बताया कि ये शव भोटेकोशी और त्रिशूल नदी प्रणालियों के निचले इलाकों के कई जिलों में नदी के किनारों से बरामद किए गए। इनमें रसुवा, नुवाकोट, धाडिंग, चितवन, गोरखा, तनहुं, नवलपरासी (पूर्व) और नवलपरासी (पश्चिम) शामिल हैं।

काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, यह बाढ़ तब आई जब भोटेकोसी नदी की सहायक नदी ल्हेन्डे का प्रवाह एक हिमस्खलन के कारण रुक गया। इसके बाद सबसे पहले नेपाल-चीन सीमा के पास रसुवागढ़ी क्षेत्र में स्थित तिमुरे गांव प्रभावित हुआ।रिपोर्ट में कहा गया है कि इलाके में बारिश नहीं हुई थी, इसलिए लोगों को इस आपदा के आने का कोई अंदाजा नहीं था। बाढ़ आने के समय लोग अपनी रोजमर्रा की गतिविधियों में लगे हुए थे।

मोदी कैबिनेट में होगा विस्तार, युवा और महिलाओं को मिलेगा मौका; 70+ उम्र के मंत्रियों पर क्या होगा फैसला?

नई दिल्ली (आरएनएस)। मोदी मंत्रिमंडल के संभावित विस्तार में युवाओं और महिलाओं को बड़ी जिम्मेदारी मिलने की संभावना है। सरकार मंत्रिमंडल को युवा चेहरा देने के साथ-साथ नए सहयोगी दलों को भी प्रतिनिधित्व देने की तैयारी में है। सूत्रों के मुताबिक, मंत्रियों की कुल संख्या बढ़ाकर करीब 75 करने और महिला मंत्रियों की संख्या मौजूदा सात से बढ़ाकर कम से कम 12 करने की योजना पर मंथन चल रहा है।

मंत्रिमंडल में 50 वर्ष से कम उम्र के मंत्रियों की हिस्सेदारी मौजूदा 24 प्रतिशत से बढ़ाकर करीब 40 प्रतिशत किए जाने की संभावना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पश्चिम एशिया के दौरे से 2 सितंबर को लौटने के बाद मंत्रिमंडल विस्तार की योजना को अंतिम रूप दे सकते हैं।

सूत्रों के अनुसार, संभावित विस्तार में नए सहयोगी दलों को प्रतिनिधित्व देने के साथ युवाओं और महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसके अलावा आगामी चुनाव वाले राज्यों के राजनीतिक और क्षेत्रीय समीकरणों को भी ध्यान में रखा जाएगा।

वर्तमान में मंत्रिमंडल में सात महिला मंत्री हैं। विस्तार के बाद इनकी संख्या बढ़ाकर कम से कम 12 किए जाने की तैयारी है। वहीं, 50 वर्ष से कम उम्र के मंत्रियों की संख्या बढ़ाने पर भी जोर दिया जा रहा है। फिलहाल 50 वर्ष से कम आयु के केवल 17 मंत्री हैं, जबकि 40 वर्ष से कम उम्र के महज दो राज्यमंत्री हैं।

इस बार मंत्रिमंडल में न केवल युवा चेहरों की संख्या बढ़ाने की तैयारी है, बल्कि 40 वर्ष से कम उम्र के कम से कम पांच मंत्रियों को जगह देने की योजना भी बताई जा रही है। इससे सरकार में युवा नेतृत्व को और मजबूत संदेश देने की कोशिश होगी।

भूकंप नहीं, भूस्खलन या हिमस्खलन से आई नेपाल में अचानक बाढ़! विशेषज्ञों ने बताई वजह

काठमांडू (आरएनएस)। नेपाल-तिब्बत सीमा से लगे इलाकों में अचानक आई भीषण बाढ़ ने भारी तबाही मचा दी है। बाढ़ में अब तक 165 लोगों की मौत होने की खबर है, जबकि 1,400 से अधिक लोग लापता बताए जा रहे हैं। इनमें 300 से ज्यादा भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। प्रभावित क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर बचाव और राहत अभियान जारी है।

हालांकि, अचानक आई इस बाढ़ की सटीक वजह को लेकर अभी स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। शुरुआती जानकारी में भूकंप को इसकी वजह माना गया था, लेकिन बाद में अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने स्पष्ट किया कि भूकंप के बजाय भूस्खलन या बर्फ और चट्टानों के हिमस्खलन से यह स्थिति पैदा हुई हो सकती है। बाढ़ की घटना के बाद शुरुआती खबरों में नेपाल-चीन सीमा के पास तेज भूकंप के झटके महसूस होने की बात सामने आई थी। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने शुरुआत में इसकी तीव्रता 4.4 बताई थी। नेपाल के विदेश मंत्री ने भी कहा था कि भूस्खलन से कुछ समय पहले तिब्बत-नेपाल सीमा पर भूकंप महसूस किया गया था। उनके मुताबिक, भूकंप के कारण भूस्खलन हुआ होगा, जिससे नदी का रास्ता अवरुद्ध हो गया और पानी जमा होता चला गया। बाद में जमा पानी अचानक तेजी से बहने लगा, जिससे विनाशकारी बाढ़ आ गई।बाद में अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के आकलन में सामने आया कि यह वास्तविक भूकंप नहीं था। पहाड़ से हुए बड़े भूस्खलन के कारण जमीन में इतना शक्तिशाली कंपन पैदा हुआ कि लोगों को भूकंप जैसा झटका महसूस

हुआ।इससे बाढ़ की घटना के पीछे भूस्खलन की भूमिका और मजबूत हुई। हालांकि, विशेषज्ञ अब बर्फ और चट्टानों के बड़े पैमाने पर खिसकने तथा हिमनद के टूटने की संभावना की भी जांच कर रहे हैं। काठमांडू स्थित अंतरराष्ट्रीय एकीकृत पर्वतीय विकास केंद्र ने प्रारंभिक आकलन में कहा कि बर्फ और चट्टानों के हिमस्खलन ने ल्हेंदे नदी का रास्ता रोक दिया था। इसके चलते पानी जमा हुआ और बाद में अचानक तेजी से बहने लगा, जिससे बाढ़ की स्थिति पैदा हुई।

नेपाल के राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण के भूविज्ञानी प्रकाश पोखरेल ने उपग्रह तस्वीरों के आधार पर भी माना कि बर्फ और चट्टानों के हिमस्खलन के कारण अचानक बाढ़ आई।

कनाडा के कैलगरी विश्वविद्यालय के भूविज्ञानी डैनियल शुगर ने घटना के प्रारंभिक विश्लेषण के आधार पर कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि क्षेत्र में कोई हिमनद अचानक टूट गया। इसके बाद बर्फ और चट्टानों का विशाल हिस्सा घाटी की तलहटी तक करीब एक किलोमीटर की ऊंचाई से नीचे गिरा होगा। स्कॉटलैंड के डंडी विश्वविद्यालय के हिमनद विज्ञानी साइमन कुक के मुताबिक, पहाड़ की ऊंचाई पर जमा बर्फ का बड़ा हिस्सा जब टूटकर नीचे गिरता है तो उसमें मौजूद भारी ऊर्जा बर्फ को तेजी से बहने वाले खतरनाक मिश्रण में बदल देती है। इस प्रक्रिया में बर्फ चूर-चूर होकर पानी के साथ नीचे की ओर बह सकती है और रास्ते में भारी तबाही मचा सकती है।कुछ विशेषज्ञ इस घटना को जलवायु परिवर्तन से भी जोड़कर देख रहे हैं। उनका मानना है कि हिमालयी क्षेत्र में तापमान और मौसम के बदलते स्वरूप का असर हिमनदों तथा पहाड़ी ढलानों पर पड़ रहा है, जिससे ऐसी घटनाओं का जोखिम बढ़ सकता है।कोलंबिया विश्वविद्यालय के लैमोंट-डोहर्टी अर्थ ऑब्जर्वेटरी के वैज्ञानिक गोरान एकस्ट्रॉम के अनुसार, दिन के दौरान पर्वतीय दर्रे में भूस्खलन हुआ होगा, जिसके कारण हिमालय में स्थित किसी बड़े हिमनद या उसके एक हिस्से के नीचे खिसकने की संभावना है।

इटली में जायरोकॉप्टर केबल कार की पटरियों से टकराकर हवा में दुर्घटनाग्रस्त हुआ, 2 की मौत

रोम (आरएनएस)। इटली के पीडमोंट क्षेत्र में एक जायरोकॉप्टर हवा में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में 2 लोगों की मौत हुई है। हादसा ओसोला और स्विट्जरलैंड की सीमा पर स्थित ऊपरी एंट्रोना घाटी में उस समय हुआ, जब जायरोकॉप्टर केबल कार की पटरियों से टकरा गया। हादसे का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें उड़ान के दौरान अचानक जायरोकॉप्टर धमाके के बाद आग की लपटों से घिरा दिख रहा है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, हादसे के बाद विमान कैम्प्लिसीओली झील के तट के पास, बांध के बगल में एक घास वाले क्षेत्र में जा गिर गया। विमान में सिर्फ 2 लोग सवार थे।

हादसे की सूचना मिलते ही कई हेलीकॉप्टर बोरगोसेसी से घटनास्थल के लिए रवाना हो गए।

अग्निशमन विभाग, बचाव कर्मियों, कानून प्रवर्तन अधिकारियों और गार्डिया डि फिनान्ज़ा की अल्पाइन बचाव सेवा सहित आपातकालीन सेवाएं भी तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गईं।

जायरोकोप्टर हल्का और 2 सीटों वाला एक मनोरंजक विमान होता है, जो दिखने में हेलीकॉप्टर और छोटे हवाई जहाज का मिश्रण लगता है।

यह पहाड़ी इलाकों में कम ऊंचाई पर दर्शनीय स्थलों और फोटोग्राफी की उड़ान के लिए लोकप्रिय है। इसे ऑटोजायरो भी कहते हैं।

जायरोकॉप्टर में एक रोटर होता है, जो हेलीकॉप्टर के विपरीत आमतौर पर इंजन से सीधे नहीं घुमाता।

नेपाल की बाढ़ से चीन में भी मची तबाही, ग्यिरोंग बंदरगाह तबाह; तीन लोगों की मौत, 558 लापता

बीजिंग/काठमांडू (आरएनएस)। नेपाल और तिब्बत सीमा से लगे हिमालयी क्षेत्र में बुधवार को शक्तिशाली भूस्खलन के बाद आई विनाशकारी बाढ़ ने नेपाल के साथ चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में भी भारी तबाही मचाई है। नेपाल में बाढ़ से मरने वालों की संख्या 175 के पार पहुंच गई है, जबकि 900 से अधिक लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। इनमें करीब 300 भारतीय नागरिक शामिल हैं। दूसरी ओर, चीन के तिब्बत क्षेत्र में भी बड़े पैमाने पर जान-माल और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हिमालयी क्षेत्र में हिमनद का एक बड़ा हिस्सा टूटकर घाटी में गिर गया। इसके साथ भारी मात्रा में बर्फ, चट्टान, पानी और मिट्टी भी नीचे आ गई। इस घटना के कारण नेपाल-तिब्बत सीमा पर भोटेकोशी नदी की सहायक नदी ल्हेंडे खोला का जलस्तर अचानक बढ़ गया।तेजी से बढ़ता पानी दोनों दिशाओं में फैल गया। एक ओर इसने नेपाल के रसुवा क्षेत्र में भारी तबाही मचाई, तो दूसरी ओर चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र के ग्यिरोंग इलाके में भी बाढ़ का पानी पहुंच गया।बाढ़ से चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र के शिगात्से के ग्यिरोंग काउंटी में भारी नुकसान हुआ है। नेपाल सीमा पर स्थित ग्यिरोंग बंदरगाह बाढ़ की चपेट में आकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है।

ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंधों को पाकिस्तान ने ठुकराया, तेहरान के साथ व्यापार जारी रखने का ऐलान

इस्लामाबाद,(आरएनएस)। पाकिस्तान ने ईरान के खिलाफ अमेरिका के एकतरफा प्रतिबंधों को मानने से इनकार करते हुए तेहरान के साथ द्विपक्षीय व्यापार जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराई है। पाकिस्तान का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत वह ईरान के साथ अपने व्यापारिक संबंध बनाए रखेगा।

ईरान सरकार की अंतरराष्ट्रीय समाचार नेटवर्क प्रेस टीवी

मुताबिक पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने गुरुवार को इस्लामाबाद में साप्ताहिक प्रेसवार्ता के दौरान यह बयान दिया। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि पाकिस्तान लंबे समय से एकतरफा कदमों और प्रतिबंधों को स्वीकार नहीं करता है।अंद्राबी ने कहा कि एकतरफा प्रतिबंधों के नकारात्मक प्रभाव होते हैं और पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत ऐसे प्रतिबंधों को मान्यता नहीं देता। उन्होंने ईरान के खिलाफ अमेरिकी आर्थिक दबाव को तेहरान और वाशिंगटन के बीच व्यापक तनाव का हिस्सा बताया और विवादों के समाधान के लिए बातचीत तथा कूटनीति को प्राथमिकता देने पर जोर दिया।

पाकिस्तानी प्रवक्ता की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब अमेरिका ने ईरान के खिलाफ प्रतिबंधों का नया दौर शुरू किया है। अमेरिकी प्रशासन ने ईरान के साथ व्यापारिक संबंध रखने वाले देशों और संस्थाओं पर सेकेंडरी प्रतिबंध लगाने की चेतावनी भी दी है।

अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने नए आर्थिक अभियान की घोषणा करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य दुनिया भर में ईरान के वित्तीय नेटवर्क पर दबाव बनाना है। उन्होंने चेतावनी दी कि ईरान के साथ कारोबार करने वाले साझेदार भी अमेरिकी कार्रवाई के दायरे में आ सकते हैं।पाकिस्तान के अलावा चीन भी ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों पर अमेरिकी दबाव का विरोध कर चुका है। बीजिंग का कहना है कि ईरान के साथ उसका सामान्य आर्थिक सहयोग अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप है और इसमें बाहरी हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए।होर्मुज जलडमरूमध्य की स्थिति पर भी पाकिस्तान ने सकारात्मक रुख जताया है। अंद्राबी ने कहा कि इस्लामाबाद को उम्मीद है कि क्षेत्रीय और कूटनीतिक प्रयासों से इस रणनीतिक जलमार्ग से जुड़े विवाद का जल्द समाधान निकल सकता है।हालांकि, उन्होंने कहा कि अंतिम समाधान मुख्य रूप से ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत पर निर्भर करेगा। पाकिस्तान दोनों पक्षों के बीच तनाव कम करने और बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए अपने संपर्कों का इस्तेमाल कर रहा है।होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है। यहां किसी भी लंबे समय तक बने रहने वाले तनाव का अंतरराष्ट्रीय तेल और गैस आपूर्ति पर व्यापक असर पड़ सकता है।वहीं, पाकिस्तान ने सेना प्रमुख आसिम मुनीर के हालिया तेहरान दौरे को लेकर लगाई जा रही अटकलों को भी खारिज किया है। अंद्राबी ने उन दावों को गलत बताया कि मुनीर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत के रूप में ईरान गए थे। उन्होंने कहा कि यह दौरा पाकिस्तान और ईरान के द्विपक्षीय संबंधों तथा क्षेत्रीय शांति के लिए जारी कूटनीतिक प्रयासों का हिस्सा था।प्रवक्ता के मुताबिक, मुनीर ने तेहरान में ईरान के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सार्थक बातचीत की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान क्षेत्रीय संकट का शांतिपूर्ण समाधान खोजने के लिए अपने मित्र देशों और साझेदारों के साथ लगातार संपर्क में है।

फीचर

व्हाइट आउटफिट में रकुल प्रीत सिंह ने ढाया कहर, एलिगेंस और ग्लैमर का दिखा परफेक्ट कॉम्बिनेशन

बॉलीवुड की खूबसूरत और स्टाइलिश अभिनेत्रियों में शुमार रकुल प्रीत सिंह अक्सर अपने फैशन सेंस को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कुछ बेहद शानदार और ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्हें देखकर उनके फैंस तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

व्हाइट कलर के इस रॉयल आउटफिट में रकुल सादगी और हॉटनेस का ऐसा तड़का लगा रही हैं कि सोशल मीडिया का पारा चढ़ गया है। तस्वीरों में रकुल प्रीत सिंह एक बेहद खूबसूरत ऑल-व्हाइट कोऑर्ड-सेट में नजर आ रही हैं।

उन्होंने फ्रंट-ओपन स्टाइल की क्रॉप जैकेट पहनी है, जिसकी फुल-स्लीव्स और मॉडर्न कट उन्हें एक बॉस-लेडी लुक दे रहे हैं। जैकेट पर लगा गोल्ड-टोन्ड स्टारफिश स्टाइल ब्रोच पूरे आउटफिट का मुख्य आकर्षण है, जो प्लेन व्हाइट लुक को तुरंत लग्जरी टच दे रहा है।

इसके साथ रकुल ने हाई-वेस्टेड, फ्लोर-लेंथ पेंसिल स्कर्ट पेयर की है, जो उनकी परफेक्ट फिगर और बॉडी कर्व्स को बेहद खूबसूरती से फ्लॉन्ट कर रही है।रकुल ने अपने इस एलिगेंट लुक को बैलेंस करने के लिए मेकअप और एसेसरीज को बेहद सटल रखा है। उन्होंने अपने बालों को मिडिल-पार्टेड रखकर सॉफ्ट वेवी स्टाइल दिया है। बालों पर हाइलाइट्स उनके ऑल-व्हाइट लुक को और उभरा हुआ बना रहे हैं।

न्यूड लिपस्टिक, सॉफ्ट स्मोकी आइज और फ्लॉलेस बेस के साथ उनका मिनिमल ग्लोइंग मेकअप रकुल के चेहरे के ग्लो को बढ़ा रहा है। कानों में स्टेटमेंट गोल्डन इयररिंग्स और उंगलियों में मिनिमल रिंग्स उनके इस लुक को कंप्लीट करते हैं।

तस्वीरों में रकुल कभी शीशे के सहारे खड़े होकर तो कभी ईंटों की वॉल के आगे कॉन्फिडेंस के साथ पोज़ देती नजर आ रही हैं। उनके सिडक्टिव और एटीट्यूड-भरे पोज़ ने पूरे फोटोशूट में एक अलग जान फूंक दी है।

रोज माउथवॉश करते हैं तो पहले जान लें ये जरूरी बातें, वर्ना फायदे की जगह हो सकता है नुकसान

सुबह उठते ही ब्रश करना और फिर मुंह की ताजगी के लिए माउथवॉश का इस्तेमाल करना अब कई लोगों की रोज की आदत बन चुका है। कुछ लोग इसे सांसों की बदबू दूर रखने के लिए इस्तेमाल करते हैं, तो कुछ को लगता है कि माउथवॉश करने से दांत और मसूड़े ज्यादा साफ रहेंगे।

हालांकि माउथवॉश मुंह की सफाई में मदद जरूर करता है, मगर यह ब्रश और दांतों के बीच की सफाई नहीं कर सकता। साथ ही, हर दिन इस्तेमाल करने से पहले यह जानना भी जरूरी है कि आप किस तरह का माउथवॉश इस्तेमाल कर रहे हैं और उसका सही तरीका क्या है। माउथवॉश से कुल्ला करने के बाद मुंह ताजगी भरा जरूर लगता है, लेकिन इससे दांतों पर जमी गंदगी पूरी तरह नहीं निकलती। ब्रश दांतों की सतह पर जमा गंदगी और प्लाक को हटाने में मदद करता है। वहीं दांतों के बीच फंसे खाने को साफ करने के लिए के लिए फ्लॉस या इंटरडेंटल ब्रश की जरूरत पड़ती है। इसलिए माउथवॉश को ब्रश का विकल्प मानना गलत है। इसे जरूरत के मुताबिक रोज की

ओरल हाइजीन रूटीन में शामिल किया जा सकता है।

बाजार में कई तरह के माउथवॉश मिलते हैं। किसी का इस्तेमाल बदबू के लिए किया जाता है, तो किसी को मसूड़ों या दूसरी दांतों की परेशानी को ध्यान में रखकर बनाया जाता है। इसलिए सिर्फ अच्छा स्वाद या बड़ी कंपनी देखकर माउथवॉश खरीदना सही नहीं है। अगर आपको दांत या मसूड़ों से जुड़ी कोई परेशानी है तो डेंटिस्ट से पूछकर माउथवॉश लेना बेहतर रहेगा।कुछ माउथवॉश इस्तेमाल करने पर मुंह में तेज जलन होती है। कई लोगों को लगता है कि जलन ज्यादा है तो माउथवॉश ज्यादा असरदार होगा। ऐसा जरूरी नहीं है। जलन कुछ खास चीजों की वजह से हो सकती है, जैसे अल्कोहल या उसमें डाला गया फ्लेवर। अगर हर बार इस्तेमाल के बाद ज्यादा जलन या परेशानी हो रही है, तो उसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।माउथवॉश खरीदने से पहले उसकी बोतल पर दी गई जानकारी जरूर पढ़ें। उसमें कौन-कौन सी चीजें डाली गई हैं, यह देखना जरूरी है। खासकर अगर आपका मुंह जल्दी सूखता है या किसी चीज से जलन होती है तो ऐसा प्रोडक्ट चुनने से बचें, जिससे आपकी परेशानी बढ़ सकती है। हर व्यक्ति के लिए एक ही माउथवॉश सही हो, यह जरूरी नहीं है।अगर माउथवॉश करने के बाद सांसों की बदबू वापस बनी रहती है तो इसकी वजह कुछ और हो सकती है। दांतों और मसूड़ों की बीमारी भी इसकी वजह बन सकती है। ऐसे में बार-बार माउथवॉश करने के बजाय डेंटिस्ट से जांच कराना ज्यादा बेहतर रहेगा।

राशि खन्ना ने इंडस्ट्री में अपने 13 साल के सफर पर कहा- काम करना हमेशा एक सौभाग्य जैसा लगा

अभिनेत्री राशि खन्ना, जिन्हें हाल ही में फिल्म '120 बहादुर' में विशेष भूमिका में देखा गया था, ने भारतीय फिल्म उद्योग में अपने 13 साल पूरे कर लिए हैं। अभिनेत्री ने कहा कि 'मद्रास कैफे' से अपने करियर की शुरुआत के बाद से उन्हें ऐसा लगता है कि समय पंख लगाकर उड़ गया क्योंकि उन्होंने हमेशा अपने काम को एक विशेषाधिकार के रूप में देखा है। यह फिल्म 2013 में रिलीज हुई थी और इसी ने राशि खन्ना के लिए चार अलग-अलग फिल्म उद्योगों में काम करने का रास्ता खोला। इसके बाद वह देश की चर्चित फिल्मों और परियोजनाओं का हिस्सा बनीं। अपने सफर को याद करते हुए राशि ने कहा, तेरह साल एक लंबा समय होता है लेकिन यह बहुत तेजी से बीत गया क्योंकि काम करना कभी विशेषाधिकार लगना बंद नहीं हुआ। 'मद्रास कैफे' को याद करने पर मुझे एहसास होता है कि मैंने शुरुआत क्यों की थी। इस फिल्म ने मुझे ऐसी कहानियां कहने का अवसर दिया जो मेरे लिए मायने रखती हैं, और मैं उन सभी सहयोगियों की आभारी हूं जिन्होंने इस सफर में मेरा साथ दिया।अपने डेब्यू के बाद से राशि ने हिंदी, तमिल, तेलुगु और मलयालम सिनेमा में काम करते हुए एक मजबूत पहचान बनाई है।

रवि तेजा की इरुमुड़ी का बॉक्स ऑफिस पर धमाका, 5 दिन में 100 करोड़ पार

दक्षिण भारतीय अभिनेता रवि तेजा की नई फिल्म 'इरुमुड़ी' ने प्रदर्शन के महज पांच दिनों में ही दुनियाभर में 100 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर नया रिकॉर्ड कायम किया है। फिल्म की कुल वैश्विक कमाई 103.55 करोड़ रुपये पहुंच गई है। इसी के साथ यह रवि तेजा के करियर की सबसे अधिक कमाई करने वाली एकल फिल्म बन गई है।

शिवा निर्वाण के निर्देशन में बनी 'इरुमुड़ी' में पिता और बेटी के बीच के गहरे भावनात्मक रिश्ते को धार्मिक पृष्ठभूमि के साथ प्रस्तुत किया गया है। फिल्म को दर्शकों की ओर से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। शानदार शुरुआती सप्ताहांत के बाद भी फिल्म की कमाई सप्ताह के बाकी दिनों में मजबूत बनी हुई है।

फिल्म ने रवि तेजा की पिछली एकल सफल फिल्म 'धमाका' को भी पीछे छोड़ दिया है। 'धमाका' ने कुल 82.81 करोड़ रुपये की कमाई की थी।

नियमित तौर पर वालीबॉल खेलने से मिल सकते हैं ये 5 प्रमुख फायदे

वालीबॉल एक मजेदार और रोमांचक खेल है, जो न केवल मनोरंजन का साधन है बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद है। यह खेल टीम वर्क, ध्यान और शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देता है। वालीबॉल खेलने से शरीर के विभिन्न हिस्सों की एक्सरसाइज होती है और मानसिक स्वास्थ्य भी बेहतर होता है। आइए जानते हैं कि नियमित रूप से वालीबॉल खेलने से क्या-क्या लाभ मिल सकते हैं।

शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा

वालीबॉल खेलने से शरीर की फिटनेस में सुधार होता है। यह खेल दौड़ने, कूदने और तेजी से हरकत करने की जरूरत होती है, जिससे दिल और फेफड़ों का स्वास्थ्य बेहतर होता है।

इसके अलावा यह खेल मांसपेशियों को मजबूत करता है और शरीर को लचीला बनाता है। नियमित रूप से वालीबॉल खेलने से शरीर की सहनशक्ति भी बढ़ती है, जिससे आप अन्य खेल गतिविधियों में भी बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

तनाव को कम करने में है मददगार

वालीबॉल खेलने से मानसिक तनाव कम होता है। जब आप किसी टीम का हिस्सा होते हैं और मिलकर खेलते हैं तो आपका ध्यान अपनी चिंताओं से हट जाता है।यह खेल आपके मनोबल को बढ़ाता है और आपको खुश रखता है। इसके अलावा वालीबॉल खेलने से ऐसे रसायन निकलते हैं, जो आपको खुश और तरोताजा महसूस कराते हैं। नियमित रूप से

वालीबॉल खेलने से मानसिक स्वास्थ्य में भी सुधार होता है।

सामाजिक संबंध मजबूत करने में है सहायक

वालीबॉल एक टीम गेम है, जो सामाजिक संबंध बनाने का अच्छा मौका देता है।जब आप किसी टीम का हिस्सा होते हैं तो आप नए दोस्तों से मिलते हैं और साथ मिलकर काम करना सीखते हैं। इससे आपकी सामाजिक कौशल भी विकसित होती हैं।इसके अलावा यह खेल सहयोग और समर्पण की भावना को बढ़ावा देता है, जो आपके व्यक्तिगत संबंधों को भी मजबूत करता है। नियमित रूप से वालीबॉल खेलने से आप एक समुदाय का हिस्सा बनते हैं।

संतुलन और तालमेल में सुधार

वालीबॉल खेलने से शरीर का संतुलन और तालमेल में सुधार होता है। गेंद को सही तरीके से हिट करना, कूदना और जमीन पर उतरना इन सभी गतिविधियों से आपका संतुलन बेहतर होता है। इसके अलावा यह खेल हाथ-आंख के संतुलन को भी बढ़ावा देता है। नियमित रूप से वालीबॉल खेलने से आप अपने शरीर के नियंत्रण को बेहतर तरीके से समझ सकते हैं और उसका उपयोग कर सकते हैं।

आत्मविश्वास बढ़ाने में है कारगर

वालीबॉल खेलने से आत्मविश्वास बढ़ता है। जब आप किसी टीम का हिस्सा बनकर जीत हासिल करते हैं तो आपका आत्मविश्वास बढ़ता है। इससे आपकी व्यक्तिगत पहचान भी मजबूत होती है और आप खुद पर विश्वास करना सीखते हैं।

इस प्रकार वालीबॉल न केवल एक खेल है बल्कि एक जीवनशैली है, जो हमें स्वस्थ रखने के साथ-साथ मनोबल भी बढ़ाती है। इसलिए इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करें और इसके लाभ उठाएं।

दानिकुंडी में पटवारी पर लोहे की रॉड से हमला, कार्यालय में घुसकर युवक ने किया वार

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही (आरएनएस)। जिले के दानिकुंडी में पटवारी से मारपीट का मामला सामने आया है। कार्यालय के अंदर घुसकर एक युवक ने पटवारी पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया। हमले में पटवारी के सिर पर गंभीर चोटें आई हैं। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

जानकारी के मुताबिक दानिकुंडी के हल्का नंबर 26 में पदस्थ पटवारी शुद्दू राम कोल कार्यालय में शासकीय कार्य कर रहे थे। इसी दौरान प्रकाश गोंड वहां पहुंचा और पटवारी से उसकी कहासुनी शुरू हो गई। विवाद बढ़ने पर आरोपी ने पास में रखी लोहे की रॉड उठाकर पटवारी के सिर पर हमला कर दिया। वायरल वीडियो में आरोपी पटवारी पर आरोप लगाते हुए दिखाई दे रहा है कि पिछले तीन साल से उसका काम नहीं किया जा रहा था और काम के एवज में लिए गए पैसे भी वापस नहीं किए गए। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

हमले में पटवारी घायल होकर लहूलुहान हो गए, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस वायरल वीडियो और घटनाक्रम के आधार पर मामले की जांच कर रही है और नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

विष्णु भैया के सुशासन ने बदली सुमन लता की जिंदगी

रायपुर, (आरएनएस)। ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में स्व-सहायता समूहों की भूमिका लगातार मजबूत हो रही है। 'विष्णु के सुशासन' में महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने और उन्हें अपने पैरों पर खड़ा होने के अवसर देने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का सकारात्मक असर गांवों में दिखाई दे रहा है। इसकी प्रेरणादायी मिसाल मरवाही विकासखंड के ग्राम पंचायत गुदुमदेवरी की सुमन लता वाकरे हैं, जिन्होंने स्व-सहायता समूह से जुड़कर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत किया और मेहनत व लगन से आज 'लखपति दीदी' बनने का गौरव हासिल किया है।

सुमन लता माँ महामाया महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ी हैं और समूह में सचिव की जिम्मेदारी निभा रही हैं। समूह से जुड़ने से पहले उनके परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। ऐसे समय में स्व-सहायता समूह उनके जीवन में बदलाव का महत्वपूर्ण माध्यम बना और आर्थिक आत्मनिर्भरता की राह खुली।

सुमन लता को स्व-सहायता समूह के माध्यम से 15 हजार रुपये की आरएफ राशि प्राप्त हुई। इसके बाद समूह को प्राप्त 60 हजार रुपये की सीआईएफ राशि में से उन्होंने 20 हजार रुपये का उपयोग अपनी किराना दुकान शुरू करने के लिए किया।

छोटे स्तर से शुरू हुआ यह व्यवसाय धीरे-धीरे आगे बढ़ता गया। सुमन लता ने दुकान का संचालन पूरी मेहनत और लगन से किया। व्यवसाय को बेहतर तरीके से चलाने के बाद उन्होंने बैंक से ऋण लेकर अपनी दुकान का विस्तार किया।आज उनकी किराना दुकान पहले की तुलना में काफी बड़ी हो चुकी है और इसी व्यवसाय से उन्हें हर वर्ष एक लाख रुपये से अधिक की आय प्राप्त हो रही है। सुमन लता की कहानी बताती है कि आर्थिक सहयोग के साथ यदि महिलाओं को अवसर, प्रशिक्षण और आत्मविश्वास मिले तो वे अपनी परिस्थितियों को बदलने की क्षमता रखती हैं।

रक्षाबंधन से पहले धमतरी बस स्टैंड पर बढ़ी यात्रियों की भीड़

सभी प्रमुख रूटों की बसें रहीं खचाखच, महिला यात्रियों की संख्या रही सबसे अधिक

धमतरी, (आरएनएस)। रक्षाबंधन पर्व से एक दिन पहले गुरुवार को धमतरी के नए बस स्टैंड पर यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। भाई-बहन के पवित्र रिश्ते के पर्व को मनाने के लिए बहनें अपने भाइयों तक पहुंचने के लिए घरों से निकल पड़ीं। इसके चलते सुबह से ही बस स्टैंड पर चहल-पहल बढ़ गई और विभिन्न रूटों पर चलने वाली बसों में सीट पाने के लिए यात्रियों के बीच मारामारी की स्थिति नजर आई। महिला यात्रियों की संख्या सबसे अधिक रही। कई बसें यात्रियों से खचाखच भरकर अपने गंतव्य के लिए रवाना हुईं। धमतरी के नए बस स्टैंड से रायपुर, दुर्ग, भिलाई, बालोद, राजनांदगांव, नगरी, सिहावा, जगदलपुर, संपूर्ण बस्तर, भानुप्रतापपुर और अंतागढ़ सहित विभिन्न मार्गों पर नियमित बसों का संचालन होता है। रक्षाबंधन के चलते इन सभी प्रमुख रूटों पर सामान्य दिनों की तुलना में यात्रियों की संख्या में खासा इजाफा देखने को मिला। पहले से बुकिंग कराने वाले यात्रियों के साथ बड़ी संख्या में तत्काल यात्रा करने वाले लोग भी बस स्टैंड पहुंचे। सुबह से देर शाम तक बस स्टैंड में यात्रियों की आवाजाही बनी रही। कोई बच्चों के साथ सफर करता नजर आया तो कोई हाथों में राखी और मिठाई के डिब्बे लिए भाइयों के घर जाने के लिए बस का इंतजार करता दिखा। कई बहनें मायके पहुंचने की जल्दी में सामान लेकर बसों की कतार में खड़ी नजर आईं। यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए बस संचालकों ने निर्धारित समय पर बसों का संचालन जारी रखा, जिससे यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में सुविधा हो सके। धमतरी के नए बस स्टैंड से प्रतिदिन करीब 250 से 300 बसों का आवागमन होता है। रक्षाबंधन से पहले यात्रियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होने से बस स्टैंड पूरे दिन गुलजार रहा। पर्व की खुशी और अपनों से मिलने की उत्सुकता यात्रियों के चेहरों पर साफ नजर आई। यात्रियों का कहना था कि रक्षाबंधन परिवार के सदस्यों को एक साथ लाने वाला पर्व है। यही वजह है कि दूर-दराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोग भी तमाम व्यस्तताओं के बीच त्योहार पर अपने घर और भाइयों तक पहुंचने की कोशिश करते हैं।

रेलवे सुरंग में बेखौफ घूमता दिखा तेंदुआ, वीडियो वायरल होने से मचा हड़कंप

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही (आरएनएस)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (एसईसीआर) के बिलासपुर रेल मंडल अंतर्गत खोंगसरा-भनवारटंक रेलखंड की एक सुरंग में तेंदुए की मौजूदगी से दहशत फैल गई। सुरंग के भीतर रेलवे ट्रैक पर तेंदुए के आराम से टहलने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

जानकारी के मुताबिक, सुरंग के भीतर तेंदुए को सबसे पहले एक रेलवे ड्राइवर ने देखा। इसके बाद वहां से गुजर रही ट्रेन के लोको पायलट ने अपने मोबाइल से तेंदुए का वीडियो रिकॉर्ड कर लिया। वायरल वीडियो में तेंदुआ रेलवे ट्रैक के ठीक बीचों-बीच चलता हुआ साफ नजर आ रहा है।

तेंदुए की मौजूदगी सामने आने के बाद ट्रैक मेंटेनेंस और गश्त में तैनात रेलवे कर्मचारियों की चिंता बढ़ गई है। कर्मचारियों का कहना है कि घने जंगलों और पहाड़ी इलाकों से घिरे इस क्षेत्र में उन्हें पैदल गश्त और मरम्मत का काम करना पड़ता है। ऐसे में वन्यजीवों की मौजूदगी उनके लिए खतरा बन सकती है।

मामले की जानकारी मिलने के बाद वन विभाग ने क्षेत्र में गश्त और निगरानी बढ़ा दी है। रेलवे और वन विभाग के समन्वय से संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की जरूरत बताई जा रही है, ताकि वन्यजीवों के साथ-साथ रेलवे कर्मचारियों और यात्रियों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जा सके।

छत्तीसगढ़ में समान नागरिक संहिता पर व्यापक मंथन

धार्मिक और सामाजिक संगठनों सहित आयोग, निगम, मंडल के पदाधिकारियों ने दिए सुझाव

रायपुर,(आरएनएस)। समान नागरिक संहिता के लिए गठित समिति के सदस्य सेवानिवृत्त आईएएस द्वय शत्रुघ्न सिंह और एम.के.राउत, वरिष्ठ अधिवक्ता मोहन पवार, सेवानिवृत्त श्रीमती ज्योति रानी सिंह और सदस्य सचिव श्याम धावड़े के समक्ष आज राजधानी रायपुर स्थित न्यू सर्किट हाउस में धार्मिक और सामाजिक संगठनों सहित आयोग, निगम, मंडल के पदाधिकारियों की बैठक आयोजित कर समान नागरिक संहिता के संबंध में सुझाव लिए गए। संविधान के अनुच्छेद 44 के तहत राज्य के नीति-निर्देशक तत्वों को साकार करने के उद्देश्य से गठित यूसीसी समिति के समक्ष धार्मिक और सामाजिक संगठनों तथा विभिन्न वर्गों सहित आयोग, निगम, मंडल के पदाधिकारियों की सहभागिता लगातार देखने को मिल रही है। समान नागरिक संहिता का उद्देश्य प्रदेश के सभी नागरिकों के लिए धर्म, जाति या पंथ से परे विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और गोद लेने जैसे पारिवारिक मामलों में एक समान नियम बनाना है। पुत्र और पुत्री दोनों को संपत्ति में समान उत्तराधिकार का अधिकार दिया गया है। इसके तहत मौखिक तलाक और कुछ अन्य धार्मिक कुप्रथाओं पर रोक लगाई जा सकेगी।

बहनों का सम्मान, सशक्तिकरण और खुशहाली से बनेगा विकसित छत्तीसगढ़ : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

-केरसई में बहनों ने मुख्यमंत्री साय को बांधी राखी, मुख्यमंत्री ने कहा - आपका सम्मान, सुरक्षा और खुशहाली मेरी जिम्मेदारी

-'विष्णु भैया' ने बहनों के बीच केरसई को दी विकास की नई सौगातें

रायपुर (आरएनएस)। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर जशपुर जिले के फरसाबहार विकासखंड के ग्राम केरसई में आज भाई-बहन के स्नेह, विश्वास और आत्मीयता का भावपूर्ण दृश्य देखने को मिला। यहां आयोजित 'रक्षाबंधन एवं बहनों से संवाद' कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के पहुंचने पर क्षेत्र की बहनों ने बड़े उत्साह और आत्मीयता के साथ उनका स्वागत किया और उनकी कलाई पर राखी बांधी। बहनों के स्नेह से अभिभूत मुख्यमंत्री ने उनसे आत्मीय संवाद किया, उनकी बातें सुनीं और सभी को रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के स्नेह का पर्व नहीं, बल्कि विश्वास, सम्मान और सुरक्षा के संकल्प का भी पर्व है। जब बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती है तो वह धागा जीवन भर उसके सम्मान और सुख-दुःख में साथ खड़े रहने की जिम्मेदारी से जोड़ देता है। प्रदेश की माताओं और बहनों का स्नेह तथा आशीर्वाद मिलना उनके लिए सौभाग्य की बात है।

मुख्यमंत्री ने बहनों से कहा कि आपने मुझे जो स्नेह और विश्वास दिया है, उसे बनाए रखना मेरा दायित्व है। मेरा फर्ज है कि आपका और क्षेत्र की जनता का सिर हमेशा ऊंचा रहे तथा विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि माताओं-बहनों के सम्मान, सशक्तिकरण और खुशहाली से ही परिवार मजबूत होगा और मजबूत परिवारों से विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण होगा।

केरसई को मिली विकास की अनेक सौगातें

रक्षाबंधन के अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने क्षेत्रवासियों की मांगों को आत्मीयता से स्वीकार करते हुए अनेक विकास कार्यों की घोषणा की। उन्होंने घासीमुंडा में जर्जर प्राथमिक शाला के स्थान पर नया शाला भवन, केरसई तालाब का सौंदर्यीकरण, केरसई में मिनी स्टेडियम, केरसई एवं घासीमुंडा के बजरंग बली मंदिरों का जीर्णोद्धार, मुख्य मार्ग से अरुण के घर तक सीसी सड़क, ग्राम पंचायत कोहपानी के गढ़वामुड़ा यादव बस्ती में सामुदायिक भवन, घासीमुंडा में सामुदायिक भवन तथा ग्राम ऊपरकछार में महतारी सदन बनाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने केरसई में लगभग 84.69 लाख रुपए के विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार गांवों में सड़क, पुल-पुलिया, स्कूल, सामुदायिक भवन सहित सभी आवश्यक अधोसंरचनाओं का तेजी से विस्तार कर रही है। विकास कार्यों में ग्रामीण क्षेत्रों की जरूरतों को प्राथमिकता दी जा रही है और आने वाले समय में भी क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्य निरंतर स्वीकृत किए जाएंगे।

खेल समाचार

सीपीएल 2026: टिम सिफर्ट का विस्फोटक शतक, सेंट लूसिया ने त्रिनबागो नाइट राइडर्स को 36 रन से हराया

त्रिनिदाद(आरएनएस)। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 के 17वें मैच में सेंट लूसिया किंग्स ने त्रिनबागो नाइट राइडर्स को 36 रन से हरा दिया। सेंट लूसिया की जीत में पारी की शुरुआत करने आए विस्फोटक बल्लेबाज टिम सिफर्ट के विस्फोटक शतक की अहम भूमिका रही। ब्रायन लारा स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में त्रिनबागो नाइट राइडर्स को जीत के लिए 212 रन का विशाल लक्ष्य मिला था, लेकिन बड़े लक्ष्य के सामने टीम लड़खड़ा गई और 20 ओवर में 6 विकेट पर 175 रन बना सकी। त्रिनबागो के लिए छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए दिग्गज ऑलराउंडर किरोन पोलार्ड ने विस्फोटक तूफानी अर्धशतक लगाया, लेकिन उसका फायदा टीम को नहीं हुआ। पोलार्ड ने 26 गेंदों पर 5 छक्के और 6 चौकों की मदद से 65 रन की पारी खेली। इसके अलावा पारी की शुरुआत करने आए कोलिन मुनरो ने 35 गेंदों पर 2 छक्के और 6 चौकों की मदद से 48 रन बनाए। सुनील नरेन ने भी 14 गेंदों पर 25 रन बनाए।

कप्तान निकोलस पूरन (0), मैथ्यू ब्रिट्जके (0) और मैथ्यू ट्रॉम्प की 26 गेंदों पर खेली गई 15 रनों की पारी त्रिनबागो की हार का मुख्य कारण रही।

सेंट लूसिया किंग्स के लिए कप्तान रोस्टन चेज ने सर्वाधिक 3 विकेट लिए। मैथ्यू फोर्ड, जोशुआ बिशप और कियोन गैस्टन ने 1-1 विकेट लिए।

इससे पहले, सेंट लूसिया किंग्स ने टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 211 रन बनाए थे। टीम के लिए सलामी बल्लेबाज टिम सिफर्ट ने नाबाद शतक लगाया। दाएं हाथ के इस विस्फोटक विकेटकीपर बल्लेबाज ने मात्र 61 गेंदों पर 5 छक्कों और 9 चौकों की मदद से नाबाद 105 रन की पारी खेली। इसके अलावा, चरिथ असलांका ने 21 गेंदों पर 33, जॉन कैंपबेल ने 17 गेंदों पर 27 और कामिल पूरन ने 17 गेंदों पर 25 रन बनाए।

त्रिनबागो नाइट राइडर्स की तरफ से सुनील नरेन, उस्मान तारिक और किरोन पोलार्ड ने 1-1 विकेट लिए।

टिम सिफर्ट प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

भारत दौरे की वजह से न्यूजीलैंड में टिकटों की रिकॉर्ड मांग

क्राइस्टचर्च (आरएनएस)। न्यूजीलैंड क्रिकेट के इंटरनेशनल समर क्रिकेट ने रिकॉर्ड तोड़ शुरुआत की है। क्रिकेट नेशन मेंबर्स की प्री-सेल के पहले 48 घंटों के अंदर 26,000 टिकट बिक गए। टिकटों की जबरदस्त मांग भारत दौरे की वजह से है। भारतीय टीम अक्टूबर में मल्टी-फॉर्मेट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड का दौरा करेगी। इस दौरे पर 12 मैच खेले जाने हैं। ऑकलैंड के ईडन पार्क में व्हाइट-बॉल मैच शुरुआती बिक्री में सबसे बड़ा आकर्षण बनकर उभरा हैं। क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में भी टिकटों की जबरदस्त मांग देखी गई है। 9,000 की क्षमता वाले इस वेन्यू पर 22 और 24 अक्टूबर को होने वाले शुरुआती दो टी20 के साथ-साथ 27 नवंबर से 1 दिसंबर तक होने वाले टूर के दूसरे और आखिरी टेस्ट के लिए भी टिकट बिक जाने की उम्मीद है। वेलिंगटन में भी टिकटों की बिक्री जोरों पर है। यहां तीसरा टी20 और दूसरा वनडे खेला जाना है। पहला टेस्ट, जो 19 नवंबर से शुरू होगा, बेसिन रिजर्व में खेला जाएगा।

न्यूजीलैंड क्रिकेट के चीफ मार्केटिंग और कमर्शियल ऑफिसर ग्लेन क्रिचली ने कहा कि शुरुआती रिस्पॉन्स भारत के दौरे को लेकर उत्साह दिखाता है। शुरू से ही फैन्स के लिए हमारा संदेश यही रहा है कि वे कुछ भी मिस न करने के लिए तैयार रहें। पहले दो दिनों में टिकटों की रिकॉर्ड बिक्री से यह साबित होता है कि बहुतों ने हमारी बात सुनी है। न्यूजीलैंड के लोगों के लिए यह एक बहुत कम मिलने वाला मौका है कि वे भारत से जुड़े क्रिकेट के खेल का जबरदस्त मजा लें और दुनिया के कुछ सबसे बड़े क्रिकेट स्टार को खेलते हुए देखें।

दिनुषा के शतक से श्रीलंका ने बचाया कोलंबो टेस्ट

भारत ने 1-0 से जीती सीरीज

कोलंबो, (आरएनएस)। सोनल दिनुषा के शानदार नाबाद शतक की बदौलत श्रीलंका ने भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट को गुरुवार को ड्रॉ करा दिया। इसके साथ ही भारत ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज 1-0 से अपने नाम कर ली। भारत ने गाले में खेले गए पहले टेस्ट में 165 रनों की बड़ी जीत दर्ज की थी। पांचवें और अंतिम दिन श्रीलंका ने अपनी दूसरी पारी में 429/9 के स्कोर पर पारी घोषित किए बिना मैच ड्रॉ पर समाप्त किया। दिनुषा 133 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने इस सीरीज में अपना तीसरा शतक लगाया। भारत ने पहली पारी में 503/9 पर पारी घोषित की थी, जिसके जवाब में श्रीलंका की टीम पहली पारी में 290 रन पर ऑलआउट हो गई थी। इस तरह भारत को 213 रन की बढ़त मिली और श्रीलंका को फॉलोऑन खेलना पड़ा। चौथे दिन का खेल खत्म होने तक श्रीलंका का स्कोर 229/6 था। पांचवें दिन दिनुषा और केशरा नुवानथा ने भारतीय गेंदबाजों को काफी देर तक परेशान किया। दोनों ने सातवें विकेट के लिए 112 रन की साझेदारी कर श्रीलंका को संकट से बाहर निकाला। नुवानथा ने 46 रन बनाए, जबकि दिनुषा ने 133 रन की नाबाद पारी खेलकर श्रीलंका की हार टाल दी। दिनुषा ने पहली पारी में भी 103 रन बनाए थे। इससे पहले गॉल में खेले गए पहले टेस्ट में उन्होंने सीरीज का अपना पहला शतक लगाया था।

भारत की ओर से मानव सुथार ने 41 ओवर में 121 रन देकर तीन विकेट लिए, जबकि रवींद्र जडेजा ने 38.3 ओवर में 94 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। सोनल दिनुषा को प्लेयर ऑफ द मैच और देवदत्त पडीक्कल को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया।

संक्षिप्त स्कोर

भारत: 503/9 पारी घोषित।

श्रीलंका: 290 ऑलआउट और 429/9 (154 ओवर)- सोनल दिनुषा 133* रन, पसिंदु सूरियाबंदर 92, कामिंदु मेंडिस 55; मानव सुथार 3/121, रवींद्र जडेजा 3/94। नतीजा: दूसरा टेस्ट ड्रॉ, भारत ने सीरीज 1-0 से जीती।

साउथ अफ्रीकी खिलाड़ी ने क्रिकेट को कहा अलविदा, 39 की उम्र में लिया संन्यास; भारत के खिलाफ खेला था आखिरी टेस्ट

जोहानसबर्ग (आरएनएस)। साउथ अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज और पूर्व कप्तान डीन एल्गर ने आखिरकार क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास का ऐलान कर दिया है। 39 साल के एल्गर पहले ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह चुके थे और अब इंग्लैंड की काउंटी टीम एसेक्स के साथ मौजूदा सीजन खत्म होने के बाद पेशेवर क्रिकेट से भी संन्यास ले लेंगे। भारत के खिलाफ खेला गया टेस्ट मैच उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला था।डीन एल्गर ने 2006 में अपना पहला मैच खेला था। उन्हें एबी डिविलियर्स की कप्तानी में वनडे टीम में मौका मिला, जबकि उसी साल के अंत में ग्रीम स्मिथ की कप्तानी में उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया। 2012 में उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना सफर आगे बढ़ाया और धीरे-धीरे साउथ अफ्रीकी टीम के अहम खिलाड़ियों में शामिल हो गए।एल्गर ने साउथ अफ्रीका की कप्तानी भी की और टीम को कई यादगार जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद वह एसेक्स के लिए काउंटी क्रिकेट खेल रहे थे।एल्गर ने साउथ अफ्रीका के लिए 86 टेस्ट मैचों में 5,347 रन बनाए। उनके नाम 14 शतक और 23 अर्धशतक दर्ज हैं। वह टेस्ट क्रिकेट में 199 रन के स्कोर तक भी पहुंचे, लेकिन दोहरा शतक पूरा नहीं कर सके। वनडे क्रिकेट में उन्होंने आठ मुकाबले खेले और 104 रन बनाए। हालांकि, उन्हें साउथ अफ्रीका की टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में खेलने का मौका नहीं मिला।फर्स्ट क्लास क्रिकेट में एल्गर का रिकॉर्ड और भी प्रभावशाली रहा। उन्होंने 279 मैचों में करीब 19 हजार रन बनाए, जिसमें 55 शतक और 77 अर्धशतक शामिल हैं। लंबे प्रारूप में उनकी तकनीक, धैर्य और मजबूत डिफेंस के लिए उन्हें खास तौर पर जाना जाता रहा। रिटायरमेंट का ऐलान करते हुए एल्गर ने कहा कि वह अब 39 साल के हो चुके हैं और उम्र लगातार बढ़ रही है। उनके बच्चे भी अब बड़े हो रहे हैं और वह उनके साथ ज्यादा समय बिताना चाहते हैं।

आईसीसी ने यूएई के बल्लेबाज आसिफ खान पर लगाया 15 महीने का प्रतिबंध

दुबई, (ए.)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने संयुक्त अरब अमीरात के बल्लेबाज आसिफ खान पर प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन के मामले में 15 महीने का प्रतिबंध लगाया है। आसिफ ने प्रतिबंध स्वीकार कर लिया है। जांच में उनके नमूने में प्रतिबंधित पदार्थ मेस्टेरोलोन का मेटाबोलाइट पाया गया था।आसिफ पर लगाया गया प्रतिबंध 8 सितंबर, 2025 से प्रभावी माना गया है। इसी दिन उनका प्रतियोगिता से बाहर डोप परीक्षण किया गया था। उनका प्रतिबंध 7 दिसंबर 2026 तक चलेगा।आसिफ ने 2022 में अंतरराष्ट्रीय पदार्पण के बाद संयुक्त अरब अमीरात के लिए 38 एकदिवसीय और 56 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। उन्होंने आईसीसी एंटी-डोपिंग संहिता के अनुच्छेद 2.1 के उल्लंघन को स्वीकार किया है। आसिफ ने विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के साथ हुए केस रिजॉल्यूशन एग्रीमेंट के तहत प्रस्तावित सजा को स्वीकार किया, जिसके बाद औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के लिए भारत की अंडर-19 टीम में सहवाग और द्रविड़ के बेटों का चयन

नई दिल्ली (निप्र)। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग और पूर्व कप्तान और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ को ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ आगामी तीन मैचों की एक दिवसीय श्रृंखला के लिए भारत की अंडर-19 टीम में शामिल किया गया है। जूनियर पुरुष चयन समिति ने घरेलू दौरे के लिए टीमों की घोषणा कर दी है, जिसका कार्यकाल जल्द ही समाप्त होने वाला है। जिसमें राजकोट में 18, 21 और 23 सितंबर को खेले जाने वाले तीन 50 ओवर के मैच शामिल हैं। इसके बाद राजकोट में 27 से 30 सितंबर तक और अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम बी ग्राउंड में 5 से 8 अक्टूबर तक खेले जाने वाले दो लाल गेंद के बहुदिवसीय मैच होंगे।

50 ओवर के मैच में उत्तराखंड के बल्लेबाज लक्ष्य रायचंदानी कप्तानी करेंगे, जबकि मध्य प्रदेश के बल्लेबाज यशबर्धन चौहान उनके उप-कप्तान होंगे। चौहान लाल गेंद वाले मैचों में कप्तानी संभालेंगे और रायचंदानी उनके उप-कप्तान होंगे। लेग स्पिन ऑलराउंडर आर्यवीर और विकेटकीपर बल्लेबाज अन्वय को 15 सदस्यीय वनडे टीम में जगह मिली है, लेकिन दोनों ही वनडे मैचों के लिए चुनी गई टीम में शामिल नहीं हैं। आर्यवीर फिलहाल 2026 दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) में वेस्ट दिल्ली लायंस के लिए खेल रहे हैं और अब तक सिर्फ दो मैच ही खेल चुके हैं। वहीं, अन्वय ने जुलाई में श्रीलंका दौरे पर भारत की अंडर-19 टीम के लिए दो 50 ओवर के मैचों में 101 रन बनाए। उस दौरे पर भारत की अंडर-19 टीम 50 ओवर की सीरीज 2-1 से हार गई, लेकिन रेड बॉल सीरीज 1-0 से जीत ली। आर्यवीर के अलावा, मनल चौहान और चिगुरुपति वेंकट को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 50 ओवर के मैचों में शामिल किया गया है, जबकि सागर विर्क, अनमोलजीत सिंह और ईशान सूद को टीम से बाहर रखा गया है। मल्टी-डे गेम्स टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज अभिप्रय बिस्वास (विकेटकीपर), इशान ओम, अयान अकरम, मोहित उलवा और आर्यन यादव को शामिल किया गया है, उनकी जगह विकेटकीपर बल्लेबाज आर्यन संदेश सकपाल, हेमचुदेशन जे, बीके किशोर, काव्या परेश पटेल और चिगुरुपति वेंकट को शामिल किया गया है।

भाई बहिन के पवित्र प्रेम का प्रतीक रक्षाबंधन का त्यौहार आज धूमधाम से मनाया जाएगा

भद्रा काल नहीं होने से पूरे दिन बंधेगी राखी

रश्मि गौड़

नर्मदापुरम। बहन और भाई के प्रेम का प्रतीक रक्षा बंधन पर्व शुक्रवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। बहने भाई की आरती उतारकर तिलक लगाकर राखी बांधेगी और जीवन भर रक्षा का वचन लेंगी। वहीं भाई बहनों को उपहार देंगे। पर्व के चलते बाजार में राखी की दुकानो पर महिलाओं की खासी भीड़ नज़र आई। शहर के सभी प्रमुख बाजार क्षेत्रों में लगे राखी बाजार से महिलाएं एक से बढ़कर एक राखी खरीद रही थी जो उनके भाई की कलाई पर शोभित हो। रक्षाबंधन पर्व सिर्फ बहनों का ही नहीं रहता यह पर्व बच्चों का भी रहता है क्योंकि उन्हे एक से बढ़कर एक खिलौने स्वजन खरीदकर देते हैं। गुरूवार को महिलाओं की भीड़ राखी की दुकानों पर लगी रही। उनके द्वारा मोती और अच्छी फैशन वाली राखी भाइयों के लिए पसंद की जा रही थी। इसके अलावा रुमाल की भी खरीदारी हो रही थी। इस बार भी चायनीज

राखियां कहीं भी बाजार में नहीं दिखाई दी और दुकानदारों ने यहीं पर बनी राखियों का विक्रय किया। मोटू.पतलू, डोरेमान और अन्य कार्टून वाले खिलौने वाली राखियां एवं रेशमी राखियां ज्यादा बिकी। इंदिरा चौक वाले बाजार में राखी, चूड़ी व कपड़ों की ग्राहकी भी जमकर हुई। साथ ही किराना दुकान पर भी रौनक नज़र आई। खासकर राखी रुमाल ओर मिठाई की ज्यादा बिक्री हुई। वहीं इस वर्ष राखी बांधने को लेकर पंडितों में विभिन्न मत रखे। गुरुवार को दिनभर भद्रा नहीं होने के चलते श्रावणी कार्य एवं जनेऊ कर्म के लिए अनेक शुभ मुहूर्त हैं। आचार्य पं नीरजेश त्रिपाठी ने बताया कि भद्रा नहीं होने से पूरे दिन अलग अलग मुहुर्त हैं। गया है। शुभ मुहुर्त में रक्षा सूत्र बंधना शुभ होगा।पं प्रवीण मिश्रा के अनुसार श्रावण मास शुक्ल पक्ष तिथि स्नान दान, पूर्णिमा श्रावणी उपाकर्म रक्षा बंधन श्री सूर्य नारायण दक्षिणा वर्षा ऋतु नक्षत्र मघायां सिंहे च रवि दिने शुक्रवार रक्षासूत्र बांधने का शुभारंभ प्रात: काल में 5.30 बजे से 10 बजे तक 10.30 से 12 बजे तक राहुकाल के समय में नहीं बांधे फिर 12.15 से फिर शाम को भगवान की आरती के समय तक क्योंकि इस बार भद्रादोष नहीं है सारे दिन पूरे समय रक्षा सूत्र बांध जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह तो भाई बहन के पवित्र प्रेम का बंधन है बहन अपने भाई की मंगलमय जीवन की भगवान से प्रार्थना करती है और रक्षा सूत्र बांध कर दीर्घ आयु की कामना करती है। भाई भी अपनी बहन को रक्षा का बचन देता है।

दिव्यांग बच्चों के साथ बांटा स्नेह, रक्षासूत्र से मजबूत हुआ अपनत्व का रिश्ता

रक्षाबंधन सिर्फ त्योहार नहीं, प्रेम विश्वास समानता और सामाजिक समरसता का प्रतीक है-श्रीमती दत्ता

नर्मदापुरम (निप्र)। रक्षाबंधन का पावन पर्व जिले के डॉ ऐनी बेसेंट विशेष विद्यालय एवं आवासीय छात्रावास में बौद्धिक दिव्यांग बच्चों के साथ हर्षोल्लास प्रेम और आत्मीयता के वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर कुमारी प्रिय निमिया ने बच्चों के बीच पहुंचकर उनके साथ रक्षाबंधन पर्व की खुशियां साझा कीं। कार्यक्रम के दौरान दिव्यांग बच्चों के चेहरों पर खुशी और उत्साह साफ दिखाई दिया। बच्चों ने एक.दूसरे की कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर प्रेम, सुरक्षा और अपनत्व का संदेश दिया तथा एक.दूसरे को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। इसके पश्चात बच्चों एवं उपस्थित अतिथियों को मिठाई खिलाई गई और सभी ने एक साथ बैठकर सहभोज का आनंद लिया।इस अवसर पर संस्था संचालक श्रीमती आरती दत्ता ने कहा कि रक्षाबंधन केवल एक त्योहार नहीं बल्कि प्रेम विश्वास समानता और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। दिव्यांग बच्चों के साथ ऐसे आयोजन उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के साथ.साथ उनके आत्मविश्वास और सामाजिक सहभागिता को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों के जीवन में प्रेम और अपनत्व का भाव भरने वाले ऐसे कार्यक्रम उनके सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। रक्षासूत्र के इस पावन पर्व ने बच्चों और अतिथियों के बीच स्नेह एवं आत्मीयता के रिश्ते को और अधिक मजबूत किया। कार्यक्रम में संस्था के समस्त स्टाफ एवं कर्मचारी उपस्थित रहे तथा सभी ने बच्चों के साथ रक्षाबंधन पर्व की खुशियां साझा कीं।

-प्रकृति से प्रेम का रक्षासूत्र-

बचपन प्ले स्कूल के बच्चों ने पौधों को बांधी राखी दिया सहअस्तित्व का संदेश

इटारसी (निप्र)। बचपन प्ले स्कूल ने इस वर्ष रक्षाबंधन को रक्षा वाली राखी थीम के साथ मनाया। स्कूल के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने एक अनोखी पहल करते हुए न केवल एक-दूसरे को बल्कि पेड़.पौधों को भी राखी बांधकर रक्षा करने का संकल्प लिया।

माटी और मनुष्य का रिश्ता पौधों को बांधा रक्षा सूत्र

स्कूल परिसर में पौधारोपण किया। बच्चों ने पौधों को रक्षा सूत्र राखी बांधकर निरंतर देखभाल करने की जिम्मेदारी ली। यह मात्र एक गतिविधि नहीं थी बल्कि बच्चों के बालमन में प्रकृति के प्रति संवेदना और कृतज्ञता के बीज बोने का एक दार्शनिक प्रयास था।

प्रकृति के साथ ही सच्चा विकास संभव -दुगाया

बचपन प्ले स्कूल के डायरेक्टर दीपक दुगाया ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से बच्चों के मन में पेड़-पौधों के प्रति जो आत्मीय भावना विकसित होगी वह भविष्य में उन्हें न केवल एक संवेदनशील और अच्छा इंसान बनने में मदद करेगी बल्कि वे आजीवन प्रकृति से पूर्ण रूप से जुड़े रहेंगे। हमें बच्चों को यह सिखाना है कि मनुष्य का विकास प्रकृति से अलग होकर नहीं बल्कि प्रकृति के साथ.साथ चलने में ही निहित है।

भाई-बहन के प्रेम से लेकर पपेट शो तक

प्रकृति संरक्षण के दार्शनिक संदेश के साथ-साथ स्कूल में त्योहार का पारंपरिक उल्लास भी देखते ही बन रहा था। कार्यक्रम का संचालन शाहिदा कुरैशी ने किया।

राखी और नेह का बंधन

छोटी-छोटी बालिकाओं ने बालकों के माथे पर तिलक लगाकरए मिठाई खिलाते हुए प्यार से उनकी कलाई पर रंग-बिरंगी राखियां बांधी। स्कूल की सभी टीचर्स ने भी बच्चों के प्रति अपना स्नेह प्रकट करते हुए उन्हें राखी बांधी। शिक्षिकाओं द्वारा भाई.बहन के पवित्र प्रेम पर आधारित एक आकर्षक पपेट शो कठपुतली का खेल और रोल प्ले प्रस्तुत किया गया।

पेड़ बचाओ नाटिका

बच्चों को पर्यावरण का महत्व समझाने के लिए शिक्षिकाओं ने पेड़ बचाओ विषय पर एक बेहद ज्ञानवर्धक और रोचक नाटिका का मंचन किया। सृजनात्मकता बच्चों को राखी की थाली सजाने राखी बांधने की सही विधि और रक्षाबंधन पर्व के पौराणिक महत्व के बारे में भी विस्तार से बताया गया।

जिले में 1 जून से आज दिनांक तक 653.7 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

गत वर्ष इसी अवधि में हुई थी 1085.9 मिलीमीटर औसत वर्षा

नर्मदापुरम (निप्र)। जिले में 1 जून 2026 से आज दिनांक को प्रात: 8 बजे तक जिले में 653.7 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज हुई है। गत वर्ष इसी अवधि में 1085.9 मिलीमीटर औसत वर्षा हुई थी। तहसीलदार भू-संसाधन प्रबंधन नर्मदापुरम ने बताया है कि 26 अगस्त से 27 अगस्त 2026 को प्रात: 8 बजे तक तहसील नर्मदापुरम में 10.8 मिलीमीटर, सिवनीमालवा में 21.0 मिलीमीटर, इटारसी 24.2 मिलीमीटर, माखननगर में 3.0 मिलीमीटर, सोहागपुर में 4.0 मिलीमीटर, पिपरिया में 0.0 मिलीमीटर, बनखेड़ी में 0.0 मिलीमीटर, पचमढी में 14.0 एवं तहसील डोलरिया 12.2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई है।तहसीलदार भू-संसाधन प्रबंधन नर्मदापुरम ने बताया कि वर्तमान में सेठानी घाट का जलस्तर 943.10 फीट है, तवा जलाशय का 1149.40 फीट है, बरगी जलाशय का 421.05 मीटर एवं बारना जलाशय 346.93 मीटर दर्ज किया गया है।

बहाल हुई शासकीय नर्मदा महाविद्यालय में विधि पाठ्यक्रमों की संबद्धता

विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा के अथक प्रयास रंग लाए आदेश जारी होने पर छात्र छात्राओं ने जताया आभार

बीसीआई अनुमोदन की प्रत्याशा में जारी हुआ आदेश

इटारसी। नर्मदापुरम (निप्र)। विधायक डॉ सीतासरन शर्मा के अथक प्रयासों से नर्मदापुरम स्थित शासकीय नर्मदा पीजी महाविद्यालय को बीसीआई की अनुशंसा के बाद एलएलबी प्रथमए द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के साथ बीए एलएलबी की मान्यता प्रदान करने के आदेश जारी हो गए हैं। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल ने शासकीय नर्मदा पीजी कॉलेज नर्मदापुरम में संचालित विधि पाठ्यक्रमों की सत्र 2025.26 एवं 2026.27 के लिए अस्थाई संबद्धता की निरंतरता प्रदान की है।

उल्लेखनीय है कि इस मामले में विधायक डा सीतासरन शर्मा ने उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार के साथ ही आयुक्त उच्च शिक्षा एवं प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा से लगातार चर्चा करते हुए पत्राचार किया था, जिसके बाद सरकार ने इस दिशा में सकारात्मक एवं छात्र हितों में निर्णय लिया है। इस आदेश से महाविद्यालय में विधि पाठ्यक्रम से पढ़ाई करने वाले छात्र छात्राओं को बड़ी राहत मिलेगी। छात्र छात्राओं ने इस उपलब्धि के लिए विधायक डा सीतासरन शर्मा का आभार जताया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा यह निरंतरता बार कौंसिल ऑफ इंडिया बीसीआई के अनुमोदन की प्रत्याशा में विभिन्न शर्तों के अधीन दी गई है।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ एसबी सिंह द्वारा 26 अगस्त को जारी आदेश के अनुसार कॉलेज में संचालित एलएलबी प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष तथा बीए एलएलबी ;ऑनर्स पाठ्यक्रमों की संबद्धता निरंतर की गई है। आदेश में संबंधित पाठ्यक्रमों के लिए 60-60 सीटों का उल्लेख किया गया है।

त्योहारों के मद्देनजर खाद्य पदार्थों की सघन जांच, 126 नमूने लिए 1,426 किलो घी, 42 किलो पनीर और 650 किलो खोया जब्त

तीन ब्रांड के घी मानव स्वास्थ्य के लिए असुरक्षित पाए गए

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार त्योहारों के दृष्टिगत दूध एवं दुग्ध उत्पादों में मिलावट की रोकथाम के लिए खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत विगत एक माह में जिले की स्थानीय दुकानों, एजेंसियों, बसों एवं अन्य परिवहन साधनों का सघन एवं औचक निरीक्षण किया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी बी.एस. धाकड़, जितेंद्र सिंह राणा एवं कमलेश एस. दियावार द्वारा की गई कार्रवाई में संदेह के आधार पर जिलेभर से घी, मिठाई, सोनपापड़ी, रसगुल्ला, बेसन, सोयाबीन तेल एवं नमकीन सहित विभिन्न खाद्य पदार्थों के 126 नमूने जांच के लिए लिए गए। सभी नमूनों को परीक्षण हेतु राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजा गया है। प्राप्त जांच रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार अग्रिम प्रकरण प्रस्तावित किए जा रहे हैं।

1,426 किलो घी और 650 किलो खोया जब्त

खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा निरीक्षण के दौरान जनहित में बड़ी मात्रा में संदिग्ध खाद्य पदार्थ जब्त किए गए। कार्रवाई के दौरान 1,426 किलोग्राम घी, जिसकी अनुमानित कीमत 7 लाख 30 हजार रुपये, तथा 42 किलोग्राम पनीर, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 12 हजार रुपये, जब्त किया गया।इसी क्रम में कटियार बस से 650 किलोग्राम खोया, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 2 लाख रुपये है, भी जब्त किया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी कमलेश एस. दियावार ने बताया कि विभाग को प्राप्त जांच रिपोर्ट के अनुसार नंद कृष्णा घी, संगाथ घी एवं ब्रजवासी घी के नमूनों की रिपोर्ट प्राप्त हुई है। जांच में इन घी उत्पादों को असुरक्षित एवं मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक घोषित किया गया है।

राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय नर्मदापुरम में सम्मिलित हुई राज्यसभा सांसद माया नारोलिया

नर्मदापुरम (निप्र)। राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में युवा कार्यक्रम खेल मंत्रालय भारत सरकार एवं राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशालय भोपाल के निर्देशानुसार क्रीडा विभाग एवं रासेयो द्वारा शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय नर्मदापुरम में 27 अगस्त 26 को खेलो इंडिया संवाद, ''खेलों की बात पी.एम. मोदी के साथ'' युवा कनेक्ट कार्यक्रम का लाइव वर्चुअल संवाद किया गया।कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा युवाओं एवं खिलाडियों के साथ संवाद करते हुए एक स्वस्थ्य, अनुशासित एवं खेल उन्मुख, राष्ट्र के निर्माण तथा युवाओं की आकांक्षाओं को देश के विकास के एजेंडे के केंद्र में रखने की दृष्टिकोण के अनुरूप, खिलाडियों को खेलने के लिए प्रेरित करते हुए 2036 ओलंपिक गेम्स भारत में आयोजित करना है तथा 2047 तक विकसित भारत का निर्माण करना है। इस अवसर पर शासकीय गृह विज्ञान महाविद्यालय नर्मदापुरम में आयोजित खेलो इंडिया संवाद कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने उपस्थित होकर कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती नीतू महेन्द्र यादव, पीयूष शर्मा, श्रीमती संध्या थापक, श्रीमती नैना सोनी, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ संगीता अहिरवार, एन.एस.एस जिला संगठक डॉ हर्षा चचाने मंच पर अपनी गरिमामयी उपस्थिति प्रदान की। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजन, दीप प्रज्वलन एवं हाकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के चित्र पर माल्यार्पण कर अतिथियों का स्वागत सत्कार किया गया। खेल की बात पीएम मोदी के साथ युवा कनेक्ट कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया गया। महाविद्यालय परिवार एवं अतिथि द्वारा लाइव प्रसारण तन्मयता से देखा गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ संगीता अहिरवार ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं प्रख्यात खिलाड़ियों को सांसद, विधायक, जनप्रतिनिधियों से सीधे जोड़ना है। इस कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं एवं खिलाड़ियों को राष्ट्रध्यपी मंच उपलब्ध कराया जा रहा है।

आज विभिन्न खेलों में जिले के नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित भी किया जा रहा है।श्रीमती माया नारोलिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि खेल में जीत की भावना के साथ-साथ बेहतर प्रदर्शन करना महत्वपूर्ण है। विवेक सागर, आध्या तिवारी, हर्षिता तोमर का उदाहरण देते हुए खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन किया। श्रीमती नारोलिया ने कहा कि यदि आप खेल में रुचि रखते हैं तो सरकार आपको पूर्ण सहयोग करेगी महाविद्यालय की छात्राएं एनसीसी, एनएसएस एवं खेल में जिले का नाम रोशन कर चुकी है। पारंपरिक खेलों का भी यहां आयोजन किया जाता रहा है। खेलोगे तो खिलोगे, आपके राज्य की पहचान आपसे हो सकती है एवं आप खेलें सरकार आपके लिए सुविधा उपलब्ध करा रही है तथा नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ धर्मेंद्र सिंह क्रीडा अधिकारी एवं आभार डॉ हर्षा चचाने जिला संगठक रासेयो द्वारा किया गया। महाविद्यालय एवं नर्मदापुरम के उत्कृष्ट खिलाडियों एवं जिले के खेल प्रशिक्षक बक्तावर खान, जयसिह भदोरिया, आस्कर मोजिस, रोशनी सोनकर एवं महेन्द्र

:: विश्व संस्कृत दिवस श्रावण पूर्णिमा पर विशेष ::

दुनिया के कई देशों में देववाणी संस्कृत के संरक्षण संवर्धन में नर्मदापुरम का विशेष योगदान

विश्व पटल पर संस्कृत भाषा के संवर्धन में अहम भूमिका निभा रहा है नर्मदांचल

बलराम शर्मा

आज विश्व संस्कृत दिवस है। नर्मदांचल व नर्मदा नगरी प्राचीन समय से संस्कृत और संस्कार के उत्थान में आगे रही है। गुरुकुल के ब्रम्हचारी संस्कृत का ज्ञान लेकर दुनिया के अनेक देशों में संस्कृत का मान बढ़ा रहे हैं। नर्मदापुरम में अनेक ब्राम्हण परिवार हैं। जो संस्कृत का ज्ञानार्जन कर वेद पुराण का वाचन कर संस्कृत के संवर्धन में लगे हुए हैं। संस्कृत के मंत्रोच्चार के माध्यम से धर्म की ध्वजा को लहरा रहे हैं। पुण्यदायनी मां नर्मदा के पावन तट पर बसी धार्मिक नगरी नर्मदापुरम में बारह महिने अनुष्ठान, पुराणों के आयोजन, कर्मकांड, ज्योतिष, गीतसंगीत, यज्ञ, जप के आयोजन निरंतर होते रहते हैं। नर्मदाचंल में त्रिपाठी परिवार का भी विशेष महत्व है। त्रिपाठी परिवार की चौथी पीढ़ी संस्कृत के पठन पाठन व संवर्धन में जुटी हुई हैं। नर्मदापुरम कथा व्यास मंच के अध्यक्ष आचार्य पं नीरजेश त्रिपाठी को उनके पितामह से विरासत में संस्कृत, ज्योतिष भागवत, पुराण सहित अन्य पुराणों के वाचन, अनुष्ठान, कर्मकांड, ज्योतिष, संगीत, यज्ञ, जप की प्रेरणा मिली है। उनके दादा पं गेंदालाल जी त्रिपाठी संस्कृत के विद्वान

रहे हैं। उनके पुत्र तथा पं नीरजेश त्रिपाठी के पिताश्री पं मोहन लाल जी त्रिपाठी व्याकरणाचार्य, भगवताचार्य, आयुवेदाचार्य, रहें हैं काव्यों के ज्ञाता होने से काव्यतीर्थ की उपाधि भी उन्हें मिली हुई थी। अब चौथी पीढ़ी में आचार्य पं नीरजेश त्रिपाठी के सुपुत्र पं कुशाग्र त्रिपाठी भगवान महाकालेश्वर की नगरी अवंतिका उज्जैन के महर्षि पाणिनी संस्कृत महाविद्यालय में शास्त्री की पढ़ाई कर रहे हैं। इसी के साथ संतीत की पढ़ाई भी जारी है।

115 वर्ष से जारी है संस्कृत शिक्षा

115 वर्ष प्राचीन गुरुकुल के अध्यक्ष स्वामि ऋतस्पति परिब्राजक कहते हैं कि भारतीय अध्यात्म व विज्ञान के मूल स्रोत वेदों की रचना संस्कृत भाषा में होने के कारण इसे वैदिक भाषा भी कहते हैं। संस्कृत भाषा भारत की सबसे प्राचीन भाषा है। इससे ही दूसरी भाषाओं की उत्पति हुई हैं, इसलिए सभी भाषाओं की जननी है। उन्होंने बताया कि संस्कृत भाषा का प्रथम काव्य ग्रंथ ऋग्वेद है। वेद, पुराण, उपनिषद, वेदांत, ब्रह्मसूत्र, गीता संस्कृत में ही हैं। प्राचीन गुरूकुल में 115 वर्ष से संस्कृत शिक्षा जारी है। महाविद्यालय में ब्रम्हचारी, वेद, वेदांत की शिक्षा के साथ गणित, विज्ञान, कंप्यूटर की शिक्षा ले रहे हैं। प्रधानाचार्य सत्यसिंधु आर्य ने बताया कि संस्कृत सीखकर अनेक ब्रम्हचारी विदेशों में संस्कृत का अध्यापन कर रहे हैं। छठवीं से स्नातक तक की कक्षाएं है। यहां के विद्यार्थी विदेश में संस्कृत और वेद. वेदांत की शिक्षा का प्रचार कर रहे हैं। जिनमें विजय प्रकाश सामवेदी, ओम प्रकाश सामवेदी हॉलैंड में योग शिक्षक और वैदिक प्रवक्ता के रूप में कार्य कर रहे हैं। अनिल आर्य मॉरीशस में पुरोहित का कार्य कर रहे हैं।

योगेंद्र याज्ञिक ने दो वर्ष तक वैदिक सनातन संस्कृति का अध्यापन और संस्कृत का प्रचार प्रसार किया। प्रो. जितेंद्र आर्य फ्रांस, इटली,अमेरिका, थाईलैंड सहित सात देशों में संस्कृत और लेटिन और ग्रीक भाषा का तुलनात्मक अध्ययन और रिसर्च करने के लिए एक वर्ष के लिए गए हुए हैं। प्रोफेसर अनिल कुमार आर्य अमेरिका और फ्रांस में भारतीय संस्कृति को विश्व की देन शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए गए हुए हैं।

ऋषिकुल में भी होता रहा है संस्कृत का अध्ययन

नर्मदापुरम के प्रतिष्ठित शर्मा परिवार के द्वारा संस्कृत को बढ़ावा देने के लिए ऋषिकुल का संचालन किया है। पूर्व विधायक गिरजाशंकर शर्मा के द्वारा ऋषिकुल का संचालन किया जाता रहा है। यहां भी शताधिक विद्यार्थी संस्कृत में पारांगत हुए हैं।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित।
स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com